वर्ष-10, अंक-205
इन्दौर, सोमवार
21 अक्टूबर 2024
पृष्ठ 8, मूल्य 2 रु.

दैनिक
राष्ट्रीय जनभावना

RNI-MPHIN/2013/53761

चाणक्य नीति

चाणक्य कहते हैं कि अधिक लाड़ प्यार करने से बच्चों में अनेक दोष उत्पन्न हो जाते हैं। इसलिए यदि वे कोई गलत काम करते हैं तो उसे नजरअंदाज करके लाड़-प्यार करना उचित नहीं है। बच्चे को डाँटना भी आवश्यक है। -चाणक्य

इन्दौर प्रधान संपादकः सुनील वर्मा मो.: 9425491979, 7000877686, E-mail: janbhavna.ind@gmail.com

रीवा एयरपोर्ट से यात्री विमान के साथ मालवाहक विमान भी उड़ेंगे : मुख्यमंत्री

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने किया रीवा एयरपोर्ट का वर्चुअल उद्घाटन, देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर निर्माण का चल रहा है बड़ा अभियान

इंदौर, राष्ट्रीय जनभावना। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने बनारस से रीवा के नवनिर्मित एयरपोर्ट का वर्चुअल उदघाटन किया। रीवा प्रदेश का छठवां एयरपोर्ट है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने कहा कि देश में पहले की तुलना में तीन गुना रफ्तार से विकास कार्य हो रहे हैं। नई सरकार बनने के सवा सौ दिन के अंदर 15 लाख करोड़ रूपये से अधिक की योजनाओं और परियोजनाओं पर कार्य शुरू किया जा चुका है। इसमें ज्यादा बजट गरीब, किसान और नौजवानों के नाम पर है। पूरे देश में इन्फ्रास्ट्रक्चर का निर्माण का बड़ा अभियान चल रहा है। विकास के लिये होने वाले निवेश से नागरिकों की सुविधा बढ़ाना और नौजवानों को नौकरी देना हमारा लक्ष्य है। हाई-वे, नये-नये ट्रेन रूट्स और नये एयरपोर्ट की सुविधा बढ़ रही है। यह सिर्फ ईंट, पत्थर, लोहे का काम नहीं है। इससे आम नागरिकों की सुविधाएँ बढ़ रही हैं और युवाओं को नौकरियाँ भी मिल रहीं हैं। देश में वर्ष 2014 में केवल 70 एयरपोर्ट थे, जिनकी संख्या आज बढ़कर 150 से अधिक हो गई है। पुराने एयरपोर्ट्स का रिनोवशन भी किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने दीवाली के पहले ही विंध्यवासियों को दीवाली का बहुत बड़ा तोहफा दिया है। रीवा में एयरपोर्ट शुरू होने जाने से विंध्य के विकास के द्वार खुलेंगे और यहाँ की तस्वीर और तकदीर बदलेगी। विंध्य में प्राकृतिक संपदा और विकास के हर संसाधन उपलब्ध रहे हैं। रीवा के विकास में ताला लगा हुआ था। पूर्ववर्ती सरकारों द्वारा ध्यान न देने के कारण विंध्य का समुचित विकास नहीं हो सका। अब विंध्य के विकास के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। रीवा में 1993 में रेल की सुविधा भी नहीं थी। आज यहाँ एयरपोर्ट की सुविधा उपलब्ध हो गई है। रीवा से भोपाल तक एक्सप्रेस-वे का निर्माण भी किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी राष्ट्र रक्षा और विकास के मोर्चे पर बढ़-चढ़कर कार्य कर रहे हैं। उनका हौसला हमें गर्व से भर देता है। हमारे पड़ोसी पहले जो दुस्साहस दिखाते थे, आज वो संभव नहीं है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने घर में घुसकर दुश्मन को खत्म करने का हौसला दिखाया है। विश्व के 200 से ज्यादा देश हमारे

प्रधानमंत्री श्री मोदी का इंतजार कर रहे हैं। यह प्रधानमंत्री जी का साहस था जिससे यूक्रेन में फंसे भारतीय बच्चों को सुरक्षित वापस लाया जा सका। उन्होंने कहा कि प्रदेश में नदी जोड़ों अभियान का जो कार्य प्रारंभ हुआ है, उसका श्रेय प्रधानमंत्री श्री मोदी को जाता है। शीघ्र ही रीवा में भी रेवा की धारा आ जायेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि विंध्य के औद्योगिक विकास को गति देने के लिए 23 अक्टूबर को रीवा में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन किया जा रहा है। इसके माध्यम से पूरे विंध्य में बड़े पैमाने पर औद्योगिक विकास के लिए निवेश होगा। उद्योगों की स्थापना से रोजगार के नए अवसर मिलेंगे। विंध्य में कृषि और खनिज पर आधारित उद्योगों का तेजी से विकास होगा। पूरे संभाग में फूड इंडस्ट्री की अच्छी संभावना है। विंध्य से माल ढुलाई के लिए शीघ्र ही कंटेनर और मालवाहक हवाई जहाज की सुविधा दी जाएगी। साथ ही विंध्यवासियों को 999 रुपए में हवाई यात्रा कराई जाएगी। प्रधानमंत्री श्री मोदी के प्रयासों तथा उड़ान योजना से गरीब आदमी को भी हवाई यात्रा की सुविधा मिल गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गंभीर रोगियों को उपचार सहायता के लिए एयर एंबुलेंस और हेली सेवा शुरू की गई है। गंभीर रोगी को हवाई मार्ग से निःशुल्क बड़े अस्पताल ले जा रहे हैं। आज करवाचौथ के व्रत के दिन रीवा को एयरपोर्ट की सौगात मिली है। इससे करवाचौथ का आनंद दोगुना हो गया है। प्रदेश में 6 हवाई अड्डों के साथ 25 हवाई पट्टियाँ विकसित की गई हैं। प्रदेश के हर जिले में हवाई पट्टी बनाई जाएगी। उज्जैन, शिवपुरी और दतिया की हवाई पट्टी की विकसित कर एयरपोर्ट बनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भगवान श्रीराम वनवास के दस से अधिक वर्ष विंध्य की पावन धरा पर रहे। भगवान राम की तपोभूमि चित्रकूट के विकास के लिए मध्यप्रदेश और उत्तरप्रदेश की सरकार मिलकर प्रयास कर रही हैं। युवाओं को रोजगार का अवसर देने के लिए हर संभाग में कौशल उन्नयन केन्द्र बनाए गए हैं। इनमें प्रशिक्षण लेकर युवा अपना भविष्य संवारे।

लॉरेंस बिश्नोई का गुर्गा नादिर शाह मर्डर केस में बना सरकारी गवाह

नई दिल्ली (एजेंसी)।

कुख्यात गैंगस्टर लॉरेंस बिश्नोई का बेहद करीबी योगेश भाटी अपने सहयोगी राजपाल सिंह के साथ नादिर शाह हत्याकांड मामले में सरकारी गवाह बन गया है। दोनों को दिल्ली पुलिस ने पिछले दिनों हिरासत में लेकर पूछताछ की थी। इस दौरान पुलिस को पता चला कि लॉरेंस बिश्नोई ने ही नादिर शाह हत्याकांड की साजिश रची थी। ज्ञात हो कि दक्षिणी दिल्ली में नादिर शाह की ताबड़तोड़ गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस सूत्रों ने बताया कि योगेश और राजपाल के वकील दीपक त्यागी ने दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में एक आवेदन दिया था। इसमें दोनों आरोपियों ने कोर्ट में सरकारी गवाह बनने की अर्जी लगाई थी। कोर्ट में

उनके आवेदन को स्वीकार कर शुक्रवार को दोनों के बयान दर्ज कराए गए हैं। फिलहाल दोनों को बेल पर रिहा कर दिया गया है। योगेश भाटी और राजपाल सिंह ने पूछताछ में पुलिस को बताया कि दो शूटरों ने नादिर शाह पर ताबड़तोड़ फायरिंग की थी। इस दौरान एक आरोपी ने उसका वीडियो भी बनाया था। यह वीडियो गुजरात जेल में बंद लॉरेंस बिश्नोई को भेजा गया था। बिश्नोई ने वीडियो देखने के बाद मध्य प्रदेश में गैंग की कमान संभाल रहे योगेश को वीडियो कॉल कर दोनों मुख्य शूटरों के रहने के लिए इंतजाम करने को कहा था। बिश्नोई से निर्देश मिलने के बाद दोनों शूटर मध्य प्रदेश पहुंचे थे।

नेतन्याहू के घर पर हुए हमले में ईरान का हाथ

तेलअवीव (एजेंसी)। इजरायली पीएम नेतन्याहू के निजी आवास पर ड्रोन से हुए हमले में लेबनान के साथ-साथ ईरान का भी हाथ था। स्थानीय मीडिया की तरफ से कहा गया कि यह हमला लेबनान की तरफ से किया गया था, जबकि इसका मास्टरमाइंड ईरान था। रिपोर्ट में कहा गया कि इस हमले के जरिए हिजबुल्लाह के साथ मिलकर तेहरान ने इजरायली पीएम नेतन्याहू को खत्म करने की कोशिश की है। वहीं नेतन्याहू ने कहा कि हमारी सेना ने दो दिन पहले ही हमने आतंकवादी हमास चीफ याह्या सिनवार को मार गिराया था। आतंकवाद के खिलाफ हम अपनी लड़ाई जारी रखेंगे। हमला हो या कुछ और कोई भी चीज मुझे अपने देश की रक्षा से रोक नहीं सकती।

उज्जैन के महाकाल मंदिर के गर्भगृह में घुसे महाराष्ट्र सीएम के बेटे

सवालों के घेरे में मैनेजमेंट कमेटी; व्यवस्था प्रभारी हटाए गए

उज्जैन। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के बेटे सांसद श्रीकांत शिंदे के उज्जैन के महाकाल मंदिर के गर्भगृह में एंट्री के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस घटनाक्रम के बाद मंदिर प्रबंध समिति ने दर्शन व्यवस्था प्रभारी विनोद चौकसे को पद से हटा दिया है। साथ ही चार अन्य कर्मचारियों को नोटिस देकर 24 घंटे के अंदर जवाब मांगा है। बता दें, महाकाल मंदिर के गर्भगृह में प्रतिबंध के बावजूद श्रीकांत शिंदे ने प्रवेश किया था। मंदिर प्रशासक गणेश धाकड़ ने शनिवार को बताया कि दर्शन व्यवस्था के प्रभारी विनोद चौकसे को कथित लापरवाही के कारण उनके पद से हटा दिया गया

है। उन्होंने बताया कि तीन सुरक्षाकर्मियों को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया है तथा सख्त निर्देश जारी किए गए हैं ताकि ऐसी घटना दोबारा न हो। बता दें, गुरुवार शाम श्रीकांत शिंदे पत्नी और दो अन्य लोगों के साथ महाकाल मंदिर के गर्भगृह में प्रवेश किया था। वह भीतर जाकर पांच मिनट से भी ज्यादा समय तक पूजन करते रहे। इस दौरान उन्हें किसी ने नहीं रोका। मंदिर प्रशासक गणेश धाकड़ ने जांच और कार्रवाई की बात कही थी।

रोहिणी में सीआरपीएफ़ स्कूल के पास जोरदार विस्फोट

नयी दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली के रोहिणी सेक्टर-14 में सीआरपीएफ़ स्कूल के पास रविवार को जोरदार धमाके से आसपास खड़ी गाड़ियों के शीशे टूट गये और इलाके में अफरा-तफरी मच गयी। रोहिणी जिले के पुलिस उपायुक्त अमित गोयल ने बताया कि सुबह 7~47 में हुआ धमाका इतना जोरदार था कि उसकी वजह से आसपास खड़ी गाड़ियों के शीशे टूट गये। साथ ही कुछ दुकानों को भी नुकसान पहुंचा है। उन्होंने बताया कि तेज धमाके के बाद धुएं का गुबार उठा जिससे पुलिस और स्थानीय लोगों में हड़कंप मच गया। अब तक यह पता नहीं चल पाया है कि धमाका किस चीज में हुआ। पुलिस ने धमाके के कारणों का पता लगाने के लिए विशेषज्ञों की टीम बुलायी है, जो इस घटना की जांच करेंगी।

चंद्रबाबू नायडू की अपील-

ज्यादा बच्चे पैदा करें

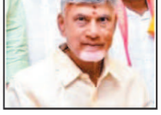

नई दिल्ली (एजेंसी)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने एक बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि दक्षिण भारतीय राज्यों के लोगों को अधिक बच्चे पैदा करना चाहिए। क्षेत्र में बुजुर्गों की आबादी बढ़ रही है। इसका विपरीत असर पड़ेगा। सीएम ने कहा कि उनकी सरकार दो से अधिक बच्चे पैदा करने वाले परिवारों को प्रोत्साहन देने पर विचार कर रही है। वहीं एक नया कानून भी लाने की तैयारी में है। अगर यह कानून आया तो आंध्र प्रदेश में दो से अधिक बच्चे वाले लोग ही स्थानीय निकाय के चुनाव लड़ सकेंगे।

यात्रियों को फ्लाइट में दिए एक्सपायरी बिस्किट, मचा हड़कंप

इन्दौर (नप्र)। इंडिगो फ्लाइट में बड़ा लापरवाही का मामला सामने आया है। जहां नागपुर से इंदौर आ रहे यात्रियों को इंडिगो की फ्लाइट में यात्रियों को नाश्ते में एक्सपायरी बिस्किट देने से हड़कंप मच गया। जिसके चलते यात्रियों ने एयरपोर्ट में हंगामा शुरू कर दिया।

नागपुर से इंदौर के लिए सुबह आ रही इंडिगो की फ्लाइट तीन घंटे लेट हो गई। इंडिगो फ्लाइट के उड़ान भरने का समय सुबह 8 बजकर 45 मिनट है। शनिवार को किसी कारणवश ये फ्लाइट दोपहर 12 बजे रवाना हुई। जिसको देखते हुए इंडिगो कंपनी ने यात्रियों के लिए नाश्ते में बिस्किट का इंतजाम किया था। जो कि एक्सपायरी डेयरी वाले निकले। इसके चलते यात्रियों ने फ्लाइट में हंगामा शुरू कर दिया। यात्रियों को दिए गए बिस्किट के पैकेट पर जब यात्री की नजर पड़ी तो उसने देखा कि बिस्किट एक्सपायरी हैं। इसे देखकर यात्री भड़क गए और स्टॉफ से इसकी शिकायत कर दी। तब तक कई यात्रियों ने बिस्किट खा लिए थे। इसको लेकर यात्रियों ने एयरपोर्ट पर जमकर हंगामा किया। हालांकि, अफसरों फिर यात्रियों से माफी मांगी।

विधानसभा उपचुनाव नहीं लड़ेगी कांग्रेस!

सभी 10 सीटों पर सपा को समर्थन देने का निर्णय

लखनऊ। लोकसभा चुनाव के बाद सपा व कांग्रेस का गठबंधन तो बना रहेगा पर कांग्रेस विधानसभा उपचुनाव में एक भी सीट पर अपना प्रत्याशी नहीं उतारेगी। कांग्रेस को अपने हिस्से आई खैर व गाजियाबाद

सीटों पर भाजपा से मुकाबला करना आसान नहीं दिख रहा है। माना जा रहा है कि इसके चलते ही कांग्रेस अब इन दोनों सीटों को भी सपा की झोली में डालने का मन बना चुकी है। पार्टी सूत्रों का कहना है कि जल्द इसकी घोषणा हो जाएगी। कांग्रेस की नजर आने वाले विधानसभा चुनाव पर है। इसलिए कांग्रेस लोकसभा चुनाव में मिली जीत से कार्यकर्ताओं में उपजे हौसले को बरकरार रखना चाहती है। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं का कहना है कि उपचुनाव में हार से कार्यकर्ताओं का मनोबल टूटेगा।

दीवाली से पहले दहलाने की आतंकी साजिश?

प्रशांत विहार में CRPF स्कूल के पास धमाका, मौके पर पहुंचा बम निरोधक दस्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली के प्रशांत विहार इलाके स्थित सीआरपीएफ स्कूल के पास हुए धमाके के बाद से लोगों में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया है। इस घटना के तुरंत बाद सुरक्षा एजेंसियां मौके पर पहुंच गईं और स्थिति की जांच शुरू कर दी। मौके पर डॉग स्क्वायड, बम स्क्वायड और आईजीएल की टीम पहुंची है। टीमों ने घटनास्थल का विस्तृत निरीक्षण किया और संभावित विस्फोटक सामग्री की खोज शुरू की।

स्थानीय पुलिस ने भी आसपास के क्षेत्र को घेर लिया है और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जांच की जा रही है। धमाके की गूंज इतनी तेज थी कि इससे स्थानीय निवासियों में हड़कंप मच गया था। पुलिस ने लोगों से शांति बनाए रखने की अपील की और आवश्यक कदम उठाने शुरू किए।

धमाके में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

प्रारंभिक रिपोर्टों के अनुसार, धमाके में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है, लेकिन स्थानीय निवासियों ने चिंता व्यक्त की है। लोगों ने सुरक्षा को लेकर सवाल उठाया है। इस घटना के बाद, प्रशांत विहार क्षेत्र में सुरक्षा बढ़ा दी गई है और सभी सुरक्षा एजेंसियां अपनी जांच में तेजी ला रही हैं।

मौके पर पहुंचा बम निरोधक दस्ता

रोहिणी डीसीपी अमित गोयल ने कहा कि धमाके की वजह जानने के लिए एक्सपर्ट्स को बुलाया गया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि धमाका किस प्रकार का था। उन्होंने आगे कहा कि विशेषज्ञ की टीम घटना की विस्तृत जांच कर रही है और जल्द ही स्थिति स्पष्ट होगी।

प्रशांत विहार में CRPF स्कूल के पास धमाका

दमकल विभाग ने बताया कि रोहिणी के प्रशांत विहार इलाके में सीआरपीएफ स्कूल के बाहर धमाके की सूचना मिली है। सुबह करीब 7:50 बजे दमकल विभाग को इस घटना की जानकारी मिली थी, जिसके बाद 2 दमकल गाड़ियों को तुरंत मौके पर भेजा गया। हालांकि, अभी तक आग लगने या दीवार को नुकसान पहुंचने की कोई सूचना नहीं मिली है।

संपादकीय

फर्जी धमकियां एक गंभीर समस्या

बचपन में एक झूठे गड़रिये की कहानी शेर आया शेर आया शीर्षक से स्कूल में सुनी और पढ़ी थी। इस कहानी के केंद्र में झूठा गड़रिया था जो गांव वालों का ध्यान आकर्षित करने के लिए शेर आने की झूठी अफवाहें फैलाता था, लेकिन जब वाकई शेर आ गया तो उसकी बात पर किसी को यकीन नहीं हुआ और इस तरह उस झूठे गड़रिये की कहानी का अंत हो गया। यह शिक्षाप्रद कहानी झूठ नहीं बोलने या अफवाह फैलाने से बचने के लिए सबक देती है। इस कहानी की याद इस वक्त इसलिए आ गई कि देश में बम की फर्जी धमकियों के मामलों ने एक रिकॉर्ड बना लिया है। स्कूल, कॉलेज, हॉस्पिटल, रेल और सरकारी दफ्तरों में बम होने की झूठी अफवाहें फैलाने वाले अब एयरलाइंस को अपने निशाने में ले रखे हैं। इस साल विभिन्न भारतीय एयरलाइंस की फ्लाइट्स को अभी तक करीब 400 से ज्यादा धमकियां मिल चुकी हैं। इसे लेकर सुरक्षा एजेंसियां कह रही हैं कि इससे पहले तक तो इस तरह के धमकी भरे कॉल इतनी तादाद में कभी नहीं मिले। यह भी अपने आप में एक रिकॉर्ड बनाने जैसा हो गया है। पर इससे क्या, क्योंकि एक बम की फर्जी धमकी भी बहुत ज्यादा नुकसान करने वाली साबित होती है। बम की एक फर्जी धमकी से जहां एयरलाइंस को करीब 3 करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ता है, वहीं यात्रियों को होने वाली परेशानियों का तो आंकलन भी नहीं किया जा सकता है। इस लिहाज से बम की फर्जी कॉल्स एक बेहद गंभीर और खतरनाक समस्या बन गई है। यह न केवल सुरक्षा बलों और प्रशासन के लिए चुनौती उत्पन्न कर रही है, बल्कि व्यापारिक व सामाजिक सामान्य कामकाज को भी बाधित कर रही है। इस प्रकार के धमकीभरे कॉल व संदेश के कारण कई बार सार्वजनिक स्थानों, स्कूलों, ऑफिसों, और यहां तक कि ट्रेनों व रेलवे स्टेशनों समेत हवाई अड्डों पर अफरा-तफरी मच जाती है। ऐसी स्थितियाँ ना केवल जान-माल के नुकसान की संभावनाओं को जन्म देती हैं, बल्कि अनावश्यक तनाव और भय का माहौल भी पैदा करती हैं। सामान्य सी बात है कि जब कहीं बम होने की फर्जी सूचना होती है, तो पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियां तुरंत हरकत में आती हैं। बम स्क्वॉड और सुरक्षा दल उस स्थान को खाली करवाते हैं और गहन जांच शुरू की जाती है। इस प्रक्रिया में समय, संसाधन और मानवशक्ति की भारी बर्बादी होती है। वास्तविक आपात स्थितियों के लिए तैनात किए जाने वाले बलों का भी एक तरह से दुरुपयोग होता है। ऐसे में अन्य महत्वपूर्ण स्थालों की सुरक्षा कमजोर पड़ सकती है। सबसे बड़ी और अहम बात यह है कि ऐसी घटनाओं से समाज में सुरक्षा को लेकर अविश्वास और अनिश्चितता की भावना को बढ़ावा मिलता हैं। स्कूलों और शैक्षणिक संस्थानों में तो इस तरह के फर्जी कॉल का प्रभाव विशेष रूप से गंभीर देखने को मिलते हैं। पढ़ाई रोक कर बच्चों और शिक्षकों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया जाना, माता-पिता व अन्य परिजनों का तनावग्रस्त हो जाना। यह सब भी असुरक्षा की भावना भरने जैसी बात होती है। ऐसे हालात से गुजरने वाले मानसिक तनाव का शिकार होते हैं, जिनकी मन:स्थिति भी विकट हो जाती है। इसलिए इस तरह की धमकियों को गंभीरता से लेने की आवश्यकता है। विमान में बम की झूठी धमकी से जो परेशानियां होती हैं, उसमें करोड़ों का खर्च हो जाता है। धमकी झूठी होने के बावजूद फ्लाइट की इमरजेंसी लैंडिंग, फिर पूरे विमान और यात्रियों को जांच प्रक्रिया से गुजारना, इसके बाद विमान को सेवा में वापस लाने के लिएऑपरेटिंग क्रू की नई जोड़ी की व्यवस्था करना कम चिंता की बात नहीं है। एयरलाइंस अधिकारियों की मानें तो ऑपरेटिंग क्रू, फ्लाइट के जेएफके एयरपोर्ट तक नहीं पहुंचने से यात्रियों को परेशानी होती है। इसी दौरान कोई यदि बीमार है या बीमार हो जाए तो एक अलग तरह की समस्या उत्पन्न हो जाती है। कहते हैं कि पिछले हफ्ते से तो मानों बम की फर्जी धमकियों की बाढ़ सी आ गई है। गुरुवार देर रात तक करीब 40 बम की झूठी धमकियां मिली हैं, जिससे एयरलाइंस को भारी वित्तीय घाटा उठाना पड़ा है। ऐसा नहीं है कि सरकार और सुरक्षा एजेंसियां इस दिशा में कुछ नहीं कर रही हैं।

पैसों से मदद

कहानी

पूरी रात करवट बदलते ही बीती थी;जिस काम से गांव आया था,वो तो पूरा हुआ नहीं था। कल से जितनी बार भईया से बात करने की कोशिश की, उतनी ही बार भाभी बड़ी सफ़ाई से घुमा गईं और मैं कहते-कहते रुक गया कि मार्च से पहले मुझे बीस हज़ार रुपये चाहिये,नहीं तो बच्चे का एडमिशन इस साल भी उस स्कूल में नहीं हो पाएगा। मन बार-बार फिर विचलित हो रहा था,क्या भइया जान-बूझकर भाभी को सामने खड़ा कर देते हैं ? तुमसे क्या छुपा है,कैसे घर चलाते हैं,हम ही लोग जानते हैं। हालांकि ये आवाज़ भाभी की होती है हर बार,लेकिन ऐसा क्यों लगता है कि शब्द भईया के होते हैं ! घर कैसे चल रहा था,ये तो मुझे दिखता ही था बच्चों के एक से एक महंगे कपड़े,जूते,खिलौने और मेरे बेटे के पास वही गिने हुए बदरंगे कपड़े। मन एक बार फिर खिन्न हो गया.वहां से उमा दुनियाभर की बातें सुना कर मुझे यहां भेज देती है,आपके हिस्से की खेती भी तो भाईसाहब उड़ाते हैं,उसका हिसाब लो। और यहां इन लोगों की अलग बातें जी में आ रहा था,मां से लिपटकर रो लूं या इन सबसे दूर भाग जाऊं। जाग गया क्या ? आकर देख मेरे पेड़-पौधे,मां ने खिड़की से बहुत धीरे से आवाज़ दी। मैंने बगल में सोये भतीजे को देखा,वो पूरे मन से खर्राटे भर रहा था। ना चाहते हुए भी मैं बाहर निकला और मां पर बरस पड़ा,आप मानना मत कभी कोई बात इतने लोग हैं घर में,लेकिन पानी आप ही दोगी पौधों में,है ना ? और ये इतनी बड़ी पाइप काहे के लिए रखी है, जब बाल्टी से ही पानी डालना है मैंने झपटकर मां के हाथ से बाल्टी छीन ली। जल्दी से ये रख ले। मेरी बात अनसुनी करते हुए मां ने नोटों का एक पुलिंदा मेरी जैकेट की जेब में ठूंस दिया,तुझे पिंटू के एडमिशन के लिए चाहिए होंगे ना जा चुपचाप अटैची में रख आ। दस सेकंड के अंदर मेरे दिमाग में उथल-पुथल मचाकर मां मग में पानी लेकर कोने वाले पौधे को सींच आई। अब दो सवाल सिर उठा रहे थे,पहला सवाल-मुझे रुपयों की ज़रूरत है ये मां कैसे जान गई,पूछना बेमानी था। लेकिन दूसरा सवाल पूछना ज़रूरी था,आप भइया से लेकर मुझे दे रही हैं ना ? नहीं रे दो अंगुठियां पड़ी थीं,बहुत पुरानी,वही बेच दीं ये देखो,सबसे ज़्यादा फूल इसमें ही आते हैं,जो तुम बीकानेर से लाए थे। मां के अचानक विषय परिवर्तन पर मैंने पलटकर देखा, भाभी हमारी ओर बढ़ी चली आ रही थीं। क्या हुआ, बड़ी सुबह उठ गये बस तो दस बजे की है ना ? शॉल लपेटते हुए भाभी की सारी इंद्रियां हमारी बातचीत का सिरा पकड़ने में तल्लीन थीं।कुछ नहीं, मैं मां से पूछ रहा था कि पाइप है तो फिर उस पौधे में मग से काहे पानी डालती हैं मैंने जैकेट की जेब में हाथ डालकर नोट छुए,मेरी आंखें भीग रही थीं। वही मैं इसे समझा रही थी.मां ने चुपचाप अपनी आंखें पोंछ लीं,ये पौधा सबसे दूर है ना,वहां तक पाइप नही पहुंचती इसी लिये।

प्रेमनारायण वेद

डा. क्रिस्टीना

कहानी

एक दिन जून माह में अचानक ही हमारी जीमेल में फेसबुक से एक फ्रेंड्स रिक्वेस्ट का नोटिफिकेशन मिला, नाम देखकर हम चकित हो उठे। हालांकि हम आजकल फेसबुक नहीं चला पाते हैं परन्तु एकाएक इतने समय बाद डा. क्रिस्टीना की फ्रेण्ड रिक्वेस्ट देखते ही अँगुलियों के की-बोर्ड पर नर्तन कर अगले कुछ ही पलों में खुद ही हमें फेसबुक चैट तक पहुँचा दिया और हम उनकी तस्वीर देख आश्चर्यचकित हो उठे कि इतने बरसों बाद भी आज भी वो वही छोटी-सी चुलबुली, नटखट बच्ची लग रही है। जहन में बहुत तेज़ी के साथ उनके साथ गुज़रे पल स्मरण हो आए, 'बीते हुए दिन खुद को जब दोहराते हैं, एक से जाने हम कितने हो जाते हैं..।' इसके बाद हमने रिक्वेस्ट स्वीकार कर फेसबुक पर उनके हालचाल मालूम करते हुए एक सन्देश भेजा। उनका जवाब रात्रि को दो बजे मिला कि वो अब गोआ में हॉस्पिटल के साथ-साथ चैरिटेबल वर्क में लगी हुई हैं-'खुश्बू अपने रस्ते खुद तय करती है, फूल तो डाली के हो कर रह जाते हैं।' इसके साथ ही उनकी माँ के देहांत की खबर भी थी, जिसे जानकर हमें अत्यंत दुःख हुआ। उनकी माँ सीएमसी से एमबीबीएस और एमएस करने वाली प्रथम महिलाओं में से एक थीं और बहुत मिलनसार और दयालु प्रवृत्ति की थीं। हमने तुरन्त डा. क्रिस्टीना को अपनी संवेदनाएं भेजते हुए माँ की दिव्य आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना और उन्हें धैर्य और साहस से काम करने को लिखा। हमें उन घड़ियों में डा. क्रिस्टीना के दुःख का गहन अहसास महसूस हो रहा था। अपने किसी प्रिय व्यक्ति के चले जाने के बाद हमारे भीतर भी कहीं कुछ मर जाता है...बाद में कितनी ही कही-अनकही बातें दिलो-दिमाग को झकझोरती रहती हैं। जीवन में अक्सर यही होता है कि 'हम भी दिल की बात कहाँ कह पाते हैं, आप भी कुछ कहते कहते रह जाते हैं, रोज़ नया इक क़िस्सा कहने वाले लोग, कहते-कहते खुद क़िस्सा हो जाते हैं।' दुखद अहसास के उन पलों में एकाएक ही मेरे हाथों से यह पंक्तियाँ काग़ज़ पर उतर पड़ीं-'एक दिन हम भी, इसी तरह एक फ्रेम में, तस्वीर बनकर कैद होकर रह जाएँगे, और हमारे सामने जलता हुआ दीया, पूछेगा हमसे कि हमने इस जीवन में, कौन सा नेक काम किया? मुझे याद है कि उसके बाद डाक्टर दिवस पर समाचार पत्र में प्रकाशित अपने पेशेंट्स के प्रति उनका यह सन्देश देख हमारा मन भाव विभोर हो उठा था-'माई डियर पेशेंट्स, आई कैन नॉट एक्सप्रेस टू थैंक यू एनफ. योर फेथ, विलिंगनेस टू वेट एन्ड अंडरस्टैंडिंग इज बियोंड बाउन्ड्स एंड हैज हेल्प्ड मी सी लाइफ़ इन अ डिफरेंट लाइट टू ग्रो एंड अंडरस्टैंड. थैंक यू सो मच. गॉड ब्लेस यू.!' आज के इस युग में किसी डाक्टर की अपने पेशेंट्स के प्रति यह भावना किसी के भी मन को छू लेगी!

लेकिन दरअसल ऐसी कृतज्ञता डाक्टर के प्रति हमारे दिलों में होनी चाहिए क्योंकि एक डाक्टर बिना अपने सुख-दुःख-चैन की परवाह किए अपने जीवन में न जाने कितने लोगों को उनकी समस्याओं/दुखों से मुक्त कर उनके चेहरे पर फ़िर से मुसकान ला देता है। लेकिन दिन-रात अपनी सेवाएं देने वाली इन फूल जैसी डा. बच्चियों के साथ जब कोलकाता के अस्पताल जैसी अमानवीय घटना घटित होती है, तो यह मन असीम पीड़ा से कराह उठता है और मानवता के बदले यह पाशविक कृत्य और मनोवृत्ति देख मन में यही विचार आता है कि 'कौन बचाएगा फिर तोड़ने वालों से, फूल अगर शाखों से धोखा खाते हैं।' अत- यह अत्यन्त आवश्यक है कि इनकी सुरक्षा और सुख-सुविधा का पूरा ख़याल रखा जाना चाहिए। इसके बाद हम करीब तीन माह से उनसे सम्पर्क नहीं कर पाए। यूँ भी वो कितना व्यस्त रहती हैं और उनकी दिनचर्या क्या होती है, यह हमने स्वयं अपनी आँखों से हॉस्पिटल में अपने एडमिट होने के दौरान देखा है। दरअसल सितम्बर' 2016 में एक रोड एक्सीडेंट में मेरे बाएँ हाथ की हड्डी बुरी तरह से टूट गई थी और मुझे तुरन्त अस्पताल में इमरजेंसी में ले जाया गया। वहाँ पर इमरजेंसी में ही डा. क्रिस्टिना से पहली मुलाकात हुई। मुझे आँखें बंद न करने/न सोने की हिदायत देते हुए लगभग साढ़े पाँच घन्टे तक वो बराबर मेरे आसपास बनी रहीं और बातें करती रहीं। उनकी आत्मीयता ने उन्हीं पलों में मेरा मन मोह लिया था और मुझे ऐसा महसूस हुआ जैसे कि वह मेरे घर-परिवार की ही हैं और मुझे किसी अपने के सान्निध्य में स्वयं को एकदम महफ़ूज़/सुरक्षित होने का अहसास हुआ था। इसके बाद रात्रि में मेरे बाएँ हाथ का आप्रेशन कर उसमें प्लेट डाली गई और मैं करीब बीस दिनों के लिए वहीं पर एडमिट रहना पड़ा। वहाँ चौबीसों घंटे मेरी देखभाल के लिए एक अक्का (तमिल महिला) को नियुक्त किया गया। इसके अतिरिक्त दिन भर सिस्टर्स और डाक्टर्स आते रहते और दिन बीत जाता, उन सभी के स्नेह और अपनत्व भरे भाव को कभी भुलाया नहीं जा सकता। डा. क्रिस्टीना रात्रि में भी अवकाश मिलते ही एक बार मुझसे अवश्य मिलने आतीं और खूब आत्मीयता के साथ मुझे संबल देती हुई बातें करतीं और मुझे अक्सर कुँवर नारायण की यह पंक्तियाँ याद दिला देतीं-'कोई दुःख मनुष्य से बड़ा नहीं, हारा वही जो लड़ा नहीं।' मुझे याद आ रहा है कि एक बार व्यस्तता ज्यादा होने की वजह से उन्हें देरी हो गई थी और तब तक हमारे वार्ड के शटर में ताला लग चुका था और अक्का मुझे यह कहकर चिढ़ा रही थी कि आज तुम्हारी डा. क्रिस्टीना नहीं आई और न ही आएगी। लेकिन मुझे कहीं भीतर गहनतम विश्वास के साथ यह अहसास था कि वो ज़रूर आएँगी और यही हुआ भी! वो करीब साढ़े ग्यारह बजे भागते-भागते मुझसे मिलने आई थीं। उन्हें उस वक़्त वहाँ देख तब अक्का और सारी सिस्टर्स भी चकित हो उठे थे। ऐसे ही एक बार किसी टेस्ट के लिए मुझे ले जाने वाले संबंधित व्यक्ति के समय से न आने पर वो मुझे स्ट्रेचर पर लिटाकर खुद ही लेकर चल दी थीं। अब क्या-क्या याद करूँ? उस छोटे से कालखण्ड की उनसे जुड़ी कितनी ही स्मृतियाँ हैं, किन-किन का ज़िक्र करूँ? उन्हें मेरे लिखने-पढ़ने का पता था, तो वह लेखन से संबंधित भी खूब बातें करती थीं। मैंने अपनी लिखी किताबें भी उन्हें उपहार स्वरूप दी थीं। वो मुझसे अक्सर हिन्दी में ही बातें करतीं थीं। उनकी कच्ची-पक्की हिन्दी बहुत प्यारी लगती थी और देर तक मन आनन्दित होता रहता था। आज भी यदाकदा उनकी वो सारी बातें याद आती रहती हैं। यह ईश्वर की कृपा रही कि विपदा के उन पलों में इतनी प्यारी शख्सियत को मेरे पास भेजा, जो मुझे सदा एक छोटी-सी और प्यारी-सी एंजिल ही लगती है! युग-युगांतर से प्रचलित वाणी 'सेवा परमो धर्मः' और 'दया धर्म का मूल है, पाप मूल अभिमान/तुलसी दया न छोड़िये जा घट तन में प्राण%' को आत्मसात कर चरितार्थ करने वाली डा. क्रिस्टीना को देख यह श्लोक स्वतः ज़हन में उभर आता है, 'विद्या ददाति विनयं विनयाद याति पात्रताम्, पात्रत्वात् धनम् आप्नोति धनाद धर्मं ततः सुखम्।' हमारी यही कामना है कि वह इसी तरह अपनी आत्मा को कृतज्ञता में निहित रखें और अपने हाथों को हमेशा दूसरों की मदद के लिए खुला रखें। उनका जीवन करुणा, प्रेम और अनुग्रह के साथ व्यतीत हो, ईश्वर उन्हें जीवन के सारे सुख प्रदान करें और उनके ऊपर आशीर्वादों की खुब वर्षा हो। प्रो. वसीम बरेलवी जी की एक ग़ज़ल के ऊपर भी कई शेर लिए हैं और अब चलते-चलते उन्हीं के इस शेर से, डा. क्रिस्टीना के व्यक्तित्व को गहनता से महसूस करते हुए, अपनी बात का समापन करते हैं-'जहाँ रहेगा वहीं रौशनी लुटाएगा, किसी चराग़ का अपना मकाँ नहीं होता।'

प्रो. (डा.) सारिका मुकेश

बधाइयों की बारिश थमती नहीं

असल बारिश का मौसम केवल चार महीने रहता है । वैसे चारों महीने बारिश होती ही रहे, यह भी जरूरी नहीं । कभी बादल गरजते हैं तो कभी बिना बरसे ही गुजर जाते हैं । कभी सावन सूखा रहता है तो कभी बारिश बाढ़ लेकर बर्बादी का आलम ले आती है । नदियाँ अनियंत्रित हो जाती हैं । सावन में पानी के सेरे आते हैं। भादो में इतना पानी गिरता है कि कीचड़ हो जाता है । अश्विन में पानी भागने लगता है और अगली ऋतु के लिए स्थान छोड़ने लगता है । कद्दावत है- श्रावण के सेरे ।भादो में कादो / क्वार पानी-भाग पानी . किसी-किसी का सावन भी जलते है और भादो भी । और दिल बेचैन रहता है। मन अनमना हो जाता है। बारिश का मौसम आने के बावजूद उसके दिल की जलन बुझती नहीं । इस हालत में बेचारा दिल क्या कर सकता है । वह तो निरीह मूक दर्शक बना रहता है । वर्षा विगत शरद ऋतु आई/लछमन देखहु परम सुहाई। फूले कास सकल मही छाई/जनु वर्षा कृत प्रकट बुढ़ाई। लेकिन बधाइयों की बारिश का बुढ़ापा कभी नहीं आता . बधाइयों का सिलसिला अहर्निश चालू रहता है . त्योहारों पर बधाई देने का रिवाज है . जन्मदिन पर भी बधाई दी जाती है . कोई नई कार लाया है । उस पर अपने कर-कमल धरकर प्रसन्न मुद्रा में फोटो के खींचकर या खिंचवाकर फेसबुक पर फ़ोटो डाल दी । फ्रेंडवृंद धुआँधार बधाई दे रहे हैं । कोई सम्मान मिला है । फेसबुक पर बधाई की बाढ़ आ जाती है । आजकल तो फ़ोटो खींचना-खिंचवाना मोबाइल की बदौलत बिल्कुल आसान हो गया है। मोबाइल की गोद में आज्ञाकारी कैमरा बैठा ही होता है . फ़ोटो खीचों और फेसबुक पर डाल दो । और घर बैठे बधाई की बारिश में नहाओ । किसी ने शराब की बोतलें टेबल रख दी हैं । चखना भी पड़ा है । सामने एक पीनेवाला मित्र भी है । दोनों के हाथों में गिलास है । वे उन्हें टकरा रहे हैं . इसी मुद्रा की फ़ोटो खींचकर फेसबुक पर डाल दी है । कमेंटीए कमेंट दे रहे हैं-अकेले-अकेले । हमें नहीं बुलाया । हम भी नहीं बुलाएँगे । ऊपर से बधाई भी दे रहे हैं । बधाई का सिलसिला चल निकला है .

सोशल मीडिया पर भिक्षाटन की उज्ज्वल परम्परा संस्कृति का रूप धर चुकी है । अपनी या परिवार के किसी सदस्य की छोटी से छोटी उपलब्धि पर आशीर्वाद माँगना आम बात है । फलाँ को फलाँ इनाम या पुरस्कार मिला-आशीर्वाद दीजिए। फ्रेंडवृंद भर-भरकर अंधाधुंध बधाई, शुभकामनाएँ और आशीर्वाद बरसा रहे हैं । असल बारिश चार महीने बरस कर चुक जाती है लेकिन बधाइयों की बारिश बारहों महीने और चौबीस घण्टे बिना . के चालू रहती है । सोशल मीडिया पर इसकी बारिश कभी थमती नहीं । इसका मौसम कभी खत्म नहीं होता ।

यदि बधाई का जुनून ऐसा ही तारी रहा तो भविष्य में कुछ ऐसी भी बधाई दी जाएगी। अरे आपके पिताजी की फाइल निपट गई । बहुत बहुत बधाई । बड़े कष्ट में थे बेचारे । लगे हाथ आपके कष्टों का निवारण भी हो गया । एक पार्टी तो बनती है । जबकि देर-सबेर सबकी फाइलें निपटनी है । ऐसा नहीं है कि उसकी

अपनी फाइल यूँ ही पड़ी-पड़ी धूल खाती रहेगी । फाइलों तो सबकी निपटनी ही हैं । ऊपरवाला कोई भी फाइल पेंडिंग नहीं रखता । नीचेवालों की तरह वह लापरवाह नहीं है . उसकी नजर हमेशा पेंडिंग फाइलों पर रहती है . वह अपने काम में हिले-हवाले नहीं करता ।

गोविन्द सेन
9893010439

समय का गति

कहानी

लखनऊ शहर में एक परिवार रहता था। परिवार में नवदम्पति को शुरुआती दौर में बचे हुए ही नहीं, बचों के लिए बहुत जतन, दवा दुआ और न जाने क्या क्या नहीं किया परिवार ने तब बहुत देर कई सालों बाद उम्मीद जगी।और बचा जब हुआ भी तो पहला बचा पैदा होते ही खत्म हो गया। परिवार में दुख की काली बदली छाई गई। फिर समय बीता और दूसरे बचे का जन्म हुआ और वह भी खत्म हो गया। ऐसे परिवार में घर में आप समझ सकते हैं, कि स्थिति क्या रही होगी। फिर बहुत समय बीतने के बाद भी वह सभी बहुत चिंतित रहते थे। समय का पहिया चलता ही जा रहा था। फिर अचानक एक दिन उनको एक खुशी की खबर मिली कि शायद उनके घर में फिर से कोई नन्हा मेहमान आने वाला है। इस बार उन्होंने पूरा ध्यान रखा, बराबर डॉक्टर की सलाह ली। और सही 9 महीने बाद उनके घर में पुत्र का जन्म हुआ। समय बड़ी तीव्रगति से चलता जा रहा था। पुत्र जन्म के साथ सभी बहुत खुश थे। घर में एक खिलौना आ गया था, और परिवार में सभी उस खिलौने के साथ व्यस्त रहते। पूरा परिवार बहुत खुश था। धीरे-धीरे बचा 3 साल का हो गया, उसके साथ ही घर में फिर से एक बार खुशी आई और उस खुशी से परिवार और यादा खुश हो गया।समय का पहिया अपनी गति से चल रहा था। इस बार उनके घर में बेटी ने जन्म लिया। अब उनके घर में एक बेटा एक बेटी हो गए थे। परिवार बहुत अच्छे से चल रहा था। करीब 2 साल बाद फिर उनके घर में एक बच्चा पैदा हुआ, जो कि लड़का था। इस तरह उनके तीन बच्चे हो गए थे।अब माता-पिता बड़ी खुशी से अपने परिवार का पालन कर रहे थे। अपने बच्चों को पढ़ा लिखा रहे थे, धीरे-धीरे परिवार में बच्चे बड़े हो रहे थे। बड़ा बेटा जवान होने लगा था। अब बड़े बेटे के लिए नौकरी की बात सोची जा रही थी। कि अचानक उनके घर एक मेहमान मिलने आए और उन्होंने बड़े बेटे को देखा बहुत ही सलीके दार बच्चा था। उसे देख कर वो बहुत खुश हो गए और उन्होंने खुद से ही उस बच्चे की नौकरी के लिए प्रस्ताव रख दिया उन्होंने कहा अगर आप चाहो तो मैं इसको अपनी बैंक में लगवा सकता हूं।फिर क्या था, मां-बाप को तो जैसे बिन मांगे की मुराद मिल गई हो। वह भी नौकरी का सोच ही रहे थे, उन्होंने तुरंत ही बेटे को नौकरी के लिए हामी भर दी। और अगले ही दिन उन्होंने उसे बैंक में बुलाया और एक फारमल्टी अता करके उसको नौकरी पर रख दिया। बेटा बैंक में नौकरी करने लगा था । समय का पहिया अपनी गति से चल रहा था पता ही नहीं चला कि 2 साल कब गुजर गए? लड़के की उम्र बहुत छोटी थी उसकी उम्र नौकरी के लायक तो नहीं थी लेकिन उसे भाग्य से नौकरी मिल गई थी 2 साल नौकरी करने के बाद 23 साल का हुआ था। रोज सुबह ऑफिस जाता तो माँ उसको दरवाजे तक भेजा करती थी, क्योंकि वह बहुत ही लाड़ला था मां का,और इसी तरह समय गुजर रहा था। 2 साल बाद एक दिन कुछ ऐसा हुआ, कि मैं किसी काम में बिजी थी, और बेटे को जल्दी थी वह ऑफिस के लिए निकल गया।और मां उसे विदा न कर पाई। मां के मन में मलाल रह गया, कि आज पहली बार वह अपने बेटे को विदा नहीं कर पाई, फिर भी कुछ संतोष करके शाम का इंतजार करने लगी। और बोली शाम को बेटा आएगा तो उसे जी भर के प्यार करेगी। शाम हुई बेटे के आने के समय जब निकल गया ।तो मां-बाप दोनों चिंतित हुए। और फोन कर पता लगाने की कोशिश की, कि आखिर बेटा अभी तक घर क्यों नहीं पहुंचा है।बेटे ने मां से फोन पर बात की, और कहा कि मैं अपने दोस्तों के साथ घूमने जा रहा हूं। थोड़ी देर में आऊंगा। मां-बाप ने कहा- चलो ठीक है, जवान लड़का है, उतना प्रतिबंध तो लगा नहीं सकते हैं। तो घूमने चला गया होगा। रात का 10:00 बज गया पर बेटा घर नहीं लौटा। तो माता-पिता की चिंताएं बढ़ रही थी। कई दोस्तों को फोन कर पूछ कहीं कुछ पता नहीं लग रहा था। बेटे का भी फोन स्विच ऑफ हो चुका था। माता-पिता बहुत ही परेशान थे। धीरे-धीरे 12:00 बज गया। 12:00 बजा तो फोन की घंटी बजी। अचानक फोन की घंटी बजने पर मां दौड़ी। और मां ने फोन उठाया, यह सोचकर के बेटे का ही फोन होगा। मां ने फोन उठाया और उधर से आवाज आई कि आप अरुण के घर से बोल रहे हैं। उन्होंने कहा-हां मैं अरुण की मम्मी बोल रही हूं।अरुण कहां है। उधर से आवाज आई , कि आप लोग जल्दी से मेडिकल कॉलेज आ जाइए, और अरुण का बहुत भयंकर एक्सीडेंट हो चुका है। यह शब्द सुनते ही मां के हाथ से रिसीवर छूट गया। और मां धड़ाम से बेहोश होकर गिर पड़ी । पिता ने रिसीवर उठाया, और बात की। पिता ने फिर मां को संभाला और तुरंत अपने नाते रिश्तेदारों को फोन करके बुलाया। और सभी मिलकर मेडिकल कॉलेज पहुंचे, वहां जाकर देखा तो बेटे का एक्सीडेंट बहुत भयंकर हुआ था। उसका धड़ से नीचे पैरों का हिस्सा बिल्कुल कुचला जा चुका था। उनमें कुछ नहीं बचा था। देखकर तो मां बाप की छती फट गई । इतना भयंकर दुख उनके बर्दाश्त करने के बाहर था लेकिन बर्दाश्त तो करना ही था। डॉक्टरों ने तुरंत ऑपरेशन करने को कहा तो माता-पिता ने हामी भर दी, और उसका ऑपरेशन किया गया। परंतु भगवान को तो कुछ और ही मंजूर था। सभी कहते कि कोई नहीं लड़का बच जाएगा ,ठीक हो जाएगा। तो आर्टिफिशियल पैर लग जाएंगे। और उसका जीवन तो चलता रहेगा। सभी माता-पिता को ढांढस बंधाते, परंतु विधि के खेले को कौन समझ सकता है ,और करीब 1 हफ्ते बाद उस लड़के की मृत्यु हो गई। उस लड़के की मृत्यु ने मां-बाप को तोड़कर रख दिया। भगवान ऐसा दारुण दुख किसी को न दें। मां तो बिल्कुल पागल हो गई थी, बेटे की मृत्यु के बाद मां 6 महीने तक

डॉ अलका गुप्ता प्रियदर्शिनी
लखनऊ उत्तर प्रदेश

बिल्कुल सोई ही नहीं। 6 महीने तक उन्होंने अपनी आंखें बंद नहीं की। कहती थी मेरा बेटा आएगा मैं सो गयी तो वह लौट जाएगा।और बदहवास हुई मांकहती थी, कि अब मैं अपने घर में कोई खुशी का काम नहीं कर पाऊंगी, मेरे जीवन में कभी कोई खुशी नहीं आएगी। परंतु धीरे धीरे समय गुजरने लगा। और उनकी बेटी जवान हो गई थी, अब उन्हें बेटी की शादी करनी थी, धीरे-धीरे बेटे की यादें तो नहीं पर गम कम होने लगा। माता पिता का गम कम हुआ, तो बेटी के लिए लड़का देखा गया। और बेटी की शादी धूमधाम से की गई। परंतु बेटी की शादी में बार-बार वह अपने बेटे को याद कर उदास हो जाती। बेटी शादी कर अपने घर चली गई। उसके बाद छोटे बेटे की शादी हो गई। धीरे-धीरे चीजें नॉर्मल होने लग गई। अभी भी वह बेटे को याद तो बहुत करती हैं , पर अब याद करके रोती नहीं। अब उनका गम जो है, कुछ कम हो गया है। और बच्चों के बच्चे हो गए हैं। उनके साथ में खेल कर अपना समय पास कर रही हैं, और खुश है। सब समय-समय की बात है।

नशे के खिलाफ बढ़े जन आंदोलन की जरूरत

समाज कार्य महाविद्यालय में बैठक आयोजित कर, बुद्धिजीवियों ने चिंता व्यक्त की

इंदौर। दुनिया में सबसे आसान और ज्यादा कमाई, नशे के कारोबार से होती है इसलिए, समुची युवा पीढ़ी के बर्बाद होने के भय तथा रोकथाम के लाखो प्रयासों के बाद भी ,तेजी से नशे का कारोबार बढ़ता ही जा रहा है। नशे के खिलाफ न, अकेले सरकार कुछ कर सकती है, और न ही सामाजिक कार्यकर्ता, अत: युवाओं को नशे से बचाने के लिए, स्कूली शिक्षा के दौरान ही नशे की बुराइयों से बच्चों को अवगत कराकर युवा पीढ़ी को बचाया जा सकता है । उक्त बातें आज समाज कार्य महाविद्यालय में नशे के खिलाफ काम कर रहे। विभिन्न चिकित्सकों, शिक्षाविदो, बुद्धिजीवियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने कही ।

बरकतुल्लाह वि वि भोपाल की पूर्व कुलपति डॉ निशा दुबे ने कहा कि इंदौर नशे के कारोबार का बहुत बड़ा हब बन चुका है तथा कोचिंग के लिए इंदौर के आसपास के क्षेत्र से आए हुए बच्चे निरंकुश होते जा रहे हैं, माता-पिता की देखरेख की कमी के कारण बच्चों में आसानी से नशे के कारोबारी, अनजाने में नशे की लत परोस रहे हैं अतः इनसे बचाने के लिए एक बड़े जन आंदोलन की जरूरत है ।उन्होंने कहा कि नशा मुक्ति केंद्र और बिहेव सेंटर आखिरी विकल्प है, बच्चे नशे की लत में ही न पड़े इसके लिए जागरुकता को ही हथियार बनाने की जरूरत है। वरिष्ठ चिकित्सक एवं पीसी सेठी अस्पताल के इंचार्ज डॉ निखिल ओझा ने कहा कि समय के साथ शहर में बढ़ रही नशाखोरी बहुत ही खतरनाक स्थिति की ओर ले जा रही है। हम सभी मजबूरी में, बढ़ते नशे के साथ जी रहे हैं अतः युवाओं को बचाने के लिए स्कूल- कॉलेज में ही शिक्षा पद्धति तथा पाठ्यक्रम ऐसा बनाया जाना जरूरी है जिसके माध्यम से विद्यार्थी नशे की लत से अपने आप बच सके। डॉ ओझा ने कहा कि नशे से बचाव ही सबसे बड़ा उपचार है, इसके लिए सरकार, प्रशासन, चिकित्सकों ,बुद्धिजीवी तथा सामाजिक कार्यकर्ता मिलकर प्रयास करें, निश्चित ही सफलता मिलेगी। एम वाय अस्पताल महिला रोग विभाग, की विभाग अध्यक्ष डॉ पूनम माथुर ने कहा कि स्कूल कॉलेज के बाहर छोटी-छोटी दुकानों पर चॉकलेट ,टॉफी ,गुटका पाउच के नाम पर बच्चों में नशे की लत डाली जा रही है, इसके खिलाफ कार्य योजना बनाकर सामूहिक प्रयास करने की जरूरत है।

बैठक में डा राजकुमार माथुर, जमीला जालीवाला, मुनीर खान, फादर पायस, रतनजीत सिंह सेहरी, कमलेश पारे, खेजर भाई, रेहाना खान ,आदि ने भी, शहर में युवाओं में तेजी से बढ़ रही नशे की लत पर चिंता व्यक्त करते हुए सार्थक प्रयास करने की जरूर बतलाई । यूनिवर्सल पीस एंड सोशल डेवलपमेंट सोसाइटी के कार्यवाहक अध्यक्ष डॉ अनिल भंडारी ने ,शहर में तेजी से बढ़ रहे नशे की लत पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि, शहर में बड़ रहे अपराधों के पीछे, नशा है। युवाओं को बचाने के लिए संस्था मोहल्ले में स्कूल ,कॉलेज में विभिन्न तरीके से जागरूकता का प्रयास कर रही है तथा आने वाले दिनों में और अधिक कार्य करेंगे। वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता मुकुंद कुलकर्णी ने विषय प्रवर्तन करते हुए संगठित प्रयासों की जरूरत बतलाई।

ज्ञ प्रारंभ में कॉलेज के प्राचार्य डॉ सीपी मैथ्यू ,आलोक खरे, श्वेता गुप्ता, प्राची परिहार ,जानकी लाल पटेरिया, नाजमा खान, सिराज भाई जालीवाले ,दिलीप कनाडे आदि ने,अतिथियों का स्वागत किया ।

कार्यक्रम में कुमार सिद्धार्थ ,मुश्ताक अली बड़नगरवाला, सुमति कुमार जैन आदि भी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन शफी शेख ने तथा अंत में प्रणिता दीक्षित ने आभार व्यक्त किया।

विशेष पुलिस महानिदेशक डॉ. वरूण कपूर "Doing good for Bharat" पुरस्कार से सम्मानित

इंदौर। मध्य प्रदेश पुलिस के विशेष पुलिस महानिदेशक डॉ. वरूण कपूर विगत 13 वर्षों से सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में निरंतर कार्य कर रहे हैं । इस दौरान इस क्षेत्र में उन्होंने 5 विश्व कीर्तिमान स्थापित किये । साथ-साथ सायबर सुरक्षा के क्षेत्र में दो पीएचडी एवं दो डी.लिट. की उपाधी भी प्राप्त की हैं । यह एक विशिष्ट उपलब्धि है जो इस देश में ही नहीं, अपितु विश्व में किसी पुलिस अधिकारी के पास संभवत: नहीं होगी ।

इस क्षेत्र में 13 वर्षों से उनके द्वारा सायबर सुरक्षा प्रशिक्षण, सायबर सुरक्षा जागरूकता, सायबर सुरक्षा शिक्षा, सायबर सुरक्षा अनुसंधान एवं सायबर सुरक्षा लेखन इत्यादि कई क्षेत्रों में महत्वपूर्ण व उल्लेखनीय कार्य निरंतर किये गये हैं ।

मात्र सायबर सुरक्षा जागरूकता के क्षेत्र में विश्वभर में 718 कार्यशालायें आयोजित कर लाखों लोगों तक सायबर सुरक्षा का महत्वपूर्ण संदेश पहुँचाया है । TED& जैसे विश्वस्तरीय प्लेटफार्म पर उन्होंने 11 पृथक-पृथक संबोधन किये गये हैं जो भी एक कीर्तिमान है ।

उनके इन उत्कृष्ट कार्यों को दृष्टिगत रखते हुये देश एवं एशिया की सबसे बड़ी CSR ,oa Sustainability के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्था "CSRBOX" द्वारा उन्हें राष्ट्रीय स्तर के गौरवपूर्ण पुरस्कार से सम्मानित करने हेतु विगत 16 अक्टूबर 2024 को नई दिल्ली आमंत्रित किया गया । इस संस्था का मुख्यालय गुजरात के अहमदाबाद शहर में है और उनके द्वारा नई दिल्ली स्थित Pullman होटल में एक भव्य समारोह का आयोजन किया गया । इस समारोह में डॉ. वरूण कपूर को "Doing Good for Bharat" पुरस्कार से सम्मानित किया गया । डॉ. कपूर को Public Service and Governance के क्षेत्र में विजेता घोषित करते हुये यह पुरस्कार प्रदान किया गया । डॉ. कपूर को यह पुरस्कार भारत सरकार के जलशक्ति मंत्रालय के राज्यमंत्री डॉ. राजभूषण चौधरी, कर्नाटक सरकार के स्वास्थ्य मंत्री श्री दिनेश गुण्डुराव एवं पद्मश्री श्री सावजी ढोलकिया द्वारा प्रदान किया गया।

पुरस्कार समारोह के उपरांत दो दिवसीय अन्तरराष्ट्रीय संगोष्ठि में भी सायबर सुरक्षा के विषय पर 17 अक्टुबर 2024 को डॉ. कपूर का विशेष व्याख्यान रखा गया जिसे देश-विदेश से आये प्रतिभागियों द्वारा अत्यधिक सराहा एवं भारी संख्या में देश-विदेश की संस्थाओं के वरिष्ठ पदाधिकारियों द्वारा डॉ. कपूर से संपर्क कर उनके कार्यों में भागीदार बनने हेतु प्रबल इच्छा भी जाहिर की गई । इस विशेष व्याख्यान के दौरान भारत सरकार के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री गजेन्द्र सिंह शेखावत भी उपस्थित रहे ।

इस पुरस्कार को प्राप्त करने के उपरांत डॉ. कपूर ने संस्था "CSRBOX" का आभार व्यक्त किया और आने वाले समय में और अधिक कार्यवाही करने का विश्वास भी व्यक्त किया ।

पुलिस जांच में अपरिपक्व दृष्टिकोण पर असंतोष जताते हाइकोर्ट ने हत्या के आरोपी को दी जमानत

इन्दौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय खंडपीठ इन्दौर की एकल पीठ के जस्टिस सुबोध अभ्यंकर की कोर्ट ने पुलिस जांच में अपरिपक्व दृष्टिकोण पर असंतोष जताते हत्या के आरोपी व्यक्ति को परिस्थितिजन्य साक्ष्य के अलावा अन्य सामग्री की कमी के कारण जमानत दे दी।

कोर्ट ने एक पूर्व आदेश का भी हवाला दिया, जिसमें सुस्त और लापरवाह जांच की प्रथा को रोकने के लिए पुलिस महानिदेशक को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था कि राज्य के प्रत्येक जिले में गंभीर अपराधों में प्रत्येक जांच की निगरानी 2 सदस्यों की टीम द्वारा की जाए। जिसका नेतृत्व एक वरिष्ठ स्तर के पुलिस अधिकारी द्वारा किया जाए। जो किसी अनुभवी आईपीएस अधिकारी के पद से नीचे का न हो और पुलिस विभाग का कोई अन्य अधिकारी जो पुलिस उपनिरीक्षक के पद से नीचे का न हो, जिसे उक्त आईपीएस द्वारा चुना जा सकता है। कोर्ट ने यह आदेश याचिकाकर्ता गमर सिंह की जमानत याचिका पर दिया।

गमर सिंह पर राजेश डाबर की हत्या के लिए मामला दर्ज कर उसे 17 जून को हिरासत में लिया गया था। कोर्ट ने कहा कि यह परिस्थितिजन्य साक्ष्य का मामला था। अंतिम बार एक साथ देखे गए गवाह के बयानों को छोड़कर रिकॉर्ड पर कोई अन्य जोड़ने वाली सामग्री उपलब्ध नहीं है। जिसे 31 मार्च को दर्ज किया गया, जबकि घटना की तारीख 24 मार्च बताई गई। यह देखते हुए कि बीयर की बोतल 3 महीने बाद जब्त की गई और उन्हें फिंगर प्रिंट जांच के लिए स्रस्र को नहीं भेजा गया। अपने आदेश में कोर्ट ने इस दलील पर भी गौर किया कि मामले में एकत्र किए गए साक्ष्य, जप्त की गई बीयर की बोतल, उंगलियों के निशान की रिपोर्ट के लिए फॉरेंसिक लैब में नहीं भेजे गए। घटना 24 मार्च को हुई थी जबकि बोतल 17 जून को ही जब्त की गई। कोर्ट ने माना कि बोतलों को खुले में पड़े हुए 3 महीने में अधिक हो चुके थे। इसलिए अधिकारी ने सोचा और अनुमान लगाया कि मौसम के कारण बोतलों पर उंगलियों के निशान नहीं रह गए होंगे क्योंकि वे खुले स्थान पर पड़ी थीं। न्यायालय की सुविचारित राय में उपरोक्त स्पष्टीकरण पूरी तरह से अस्वीकार्य और समझ से परे है क्योंकि जांच अधिकारी को यह अनुमान लगाना नहीं है कि फोरेंसिक जांच में क्या मिलेगा और क्या नहीं मिलेगा। यह उनका कर्तव्य था कि वे बोतल भेजकर देखें कि क्या अभियुक्त और मृतक के उंगलियों के निशान अभी भी बोतलों पर मौजूद हैं। यह अवैज्ञानिक दृष्टिकोण को दर्शाता है।

मध्य प्रदेश में डेंगू का कहर, हजारों मरीज अस्पतालों में भर्ती

डेंगू से निपटने के लिए बनाया कंट्रोल रूम

इंदौर। मध्य प्रदेश के कई जिलों में डेंगू का कहर बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहा है ग्वालियर में सबसे ज्यादा 988 डेंगू के मरीज अस्पताल में भर्ती हैं ।उसके बाद इंदौर मे 437 विदिशा मे 372 भोपाल मे 452 रीवा मे 332 जबलपुर मे 325 रतलाम मे 271धार मे 239 होशंगाबाद मे 237 और सिवनी जिले में233 डेंगू के मरीज अस्पताल में भर्ती हैं। रोजाना अस्पतालों में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ती जा रही है।

जिस तरह से मध्य प्रदेश में डेंगू के मरीजों की संख्या बढ़ रही है। उसके बाद सरकार ने सरकारी अस्पतालों में विशेष इंतजाम किए हैं। हर जिले में 12 घंटे के अंदर जांच करने और उसकी रिपोर्ट उपलब्ध कराने के निर्देश जारी किए गए हैं।अस्पतालों में आइसोलेशन वार्ड तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं।

डॉक्टर और मरीजों के लिए कंट्रोल रूम

डेंगू प्रोटोकॉल के तहत इलाज की बेहतर व्यवस्था के लिए सरकार ने एक कंट्रोल रूम बनाया है।इसके माध्यम से सभी डॉक्टरों और स्वास्थ्य कर्मचारी को विशेष प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

मरीज को भी कंट्रोल रूम के माध्यम से सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। कंट्रोल रूम के लैंडलाइन नंबर का फोन न। 0755-2660636 है। इस पर फोन करके जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री के प्रभार वाले जिले इंदौर में गुंडों के हौसले बुलंदी पर

इंदौर। परदेसी पुरा थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सुभाष नगर क्षेत्र में आदतन गुंडा तत्वों ने एक वकील और उसके परिवार पर हमला बोला।

कल रात्रि 1 बजे नशे में धुत्त अल्लू ठाकुर, सुयश ठाकुर, दीपक पटेल नामक गुंडों ने अपने साथियों के साथ मिलकर इंदौर अभिभाषक संघ के सदस्य अधिवक्ता सर्वेश कानूनगो के घर पर हमला कर दिया।

वकील सर्वेश कानूनगो और उनकी पत्नी ,बहन तथा परिवार के साथ घर में घुसकर अश्लीलता, अभद्रता की, मारा पीटी की ,गंदी गंदी गालीया दी । जैसे तैसे गुंडों से अपनी जान बचाकर वकील अपने परिवार को लेकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचे ।

पुलिस ने इतने गंभीर मामले में गुंडों का पक्ष लेते हुए कार्यवाही नहीं की थी ,दबाव बनने के बाद सामान्य कार्यवाही कर मामला रफा दफा करने का प्रयास किया । अब मामला की शिकायत करते हुए इंदौर अभिभाषक संघ और इंदौर हाई कोर्ट अधिवक्ता संघ में आवेदन दिया जा रहा है । अधिवक्ता संगठन से हस्तक्षेप किए जाने की अपील की जाएगी ।

ज्यादा मीठा खाने के बाद होती है डिटॉक्स करने की जरूरत

मीठे से नहस हो जाती है हमारी डाइट

इंदौर। खास अवसर पर मीठा खाना और खिलाना एक दूसरे के प्रति प्रेम को तो दर्शाता है, लेकिन इससे हमारी डाइट पूरी तरह से तहस-नहस हो जाती है।ऐसे में जरूरत से ज्यादा मीठा खाने के बाद शरीर को डिटॉक्स करने की जरूरत होती है, ताकि इससे होने वाले नुकसानों से खुद को बचाया जा सके।ये कैसे करना है चलिए जान लेते हैं। रिसर्च के मुताबिक जरूरत से ज्यादा मीठा खाने से शरीर में कैलोरी का लेवल आउट ऑफ़ कंट्रोल हो सकता है। जिससे डायबिटीज, कोलेस्ट्रोल, दिल की बिमारी और मोटापे जैसी समस्या हो सकती है।अगर लिमिट में मीठे का सेवन किया जाए तो इन सब बिमारियों से खुद को बचाया जा सकता है।आप हफ्ते के छह दिन पहरेज करके सातवें दिन चीट डे मना सकते हैं। जरूरत से ज्यादा मीठा खाना खा लिया तो शरीर को डिटॉक्स करने के लिए गुनगुने पानी के साथ नींबू का सेवन कर सकते हैं। इससे शरीर के विषैले पदार्थों को बाहर निकालने में मदद मिलती है.त्योहारों या अन्य मौकों पर मीठा ज्यादा खा लिया है तो अदरक और काली मिर्च की चाय का सेवन किया जा सकता है। इससे शरीर को डिटॉक्स करने में मदद मिल सकती है.अपने खाने में खीर, सलाद, गाजर, स्प्राउट्स, हरी सब्जियां जैसी फाइबर से भरपूर चीजों को शामिल करें। नियमित रूप ये इन सभी चीजों का सेवन करने से शरीर को डिटॉक्स करने में मदद मिल सकती है शरीर को डिटॉक्स करने के लिए दिनभर में कम से 7 से 8 ग्लास पानी पियें। इससे एनर्जी भी मिलेगी और शरीर हाइड्रेट भी रहेगा.जरूरत से ज्यादा मीठा खाने के बाद शरीर को डिटॉक्स करने के लिए आंवला, संतरा और चुकन्दर का जूस पियें।ये फायदेमंद हो सकता है.जरूरत से ज्यादा मीठा खाने के बाद उसे डिटॉक्स करना काफी मुश्किल भरा हो सकता है। आप मीठा खाने के शौकीन हैं तो अपने मीठे को धीरे-धीरे करके डाइट में कम करते रहें। अपने आहार में मीठे में बदले, जामुन, सेब, अंगूर जैसे फलों को शामिल करें। यह फल शरीर को डिटॉक्स भी करेंगे आयर फायदेमंद भी रहेंगे। मालूम हो कि त्योहारों का सीजन हो, और मिठाई का जिक्र ना हो, ऐसा कैसे हो सकता है। हमारे देश में चाहे छोटी से छोटी खुशी ही क्यों ना हो, उन खुशियों को जाहिर करने के लिए मिठाई सबसे ज्यादा खाई और खिलाई जाती है। त्योहार भले ही खत्म हो जाएं, लेकिन उनके खत्म होने के बाद भी मिठाई खाने का सिलसिला लगातार चलता रहता है।

कार्टून कोना.....

किसानों ने दूसरे दिन भी मैदान पकड़ जमीन पर कब्जा करने से प्रशासन को रोका

इंदौर। भाजपा एवं कांग्रेस के नेताओं की चुप्पी पर किसानों ने सवाल उठाए कलवार घाट से धन तालाब घाट तक रेलवे लाइन का रूट परिवर्तन की करने की भी मांग किसानों ने उठाई। किसान नेता हंसराज मंडलोई ने बताया कि केंद्र की मोदी सरकार एवं प्रदेश के डॉक्टर मोहन यादव सरकार के निर्देश पर तीन जिलों का प्रशासन हिटलर शाही तरीके से किसानों की जमीन पर कब्जा कर रहा है एवं उनकी सोयाबीन की खड़ी फसल पर जेसीबीएम बुलडोजर चलवा कर कब्जा कर रहा है हद तो यहां तक हो गई जिन किसानों ने?40 हजार

कुंतल लहसुन का बीज किसानों ने बोया उसके ऊपर भी प्रशासन ने जेसीबी चलवा दी ग्राम रुपपटा में रूप सिंह दरबार ने 20 बीघा के आलू बोये उसमें भी रेलवे प्रशासन ने पुलिस बल के माध्यम से कब्जा कर लिया और बुलडोजर चलवा दिया तो चोबा पिपलिया गांव का चंपालाल नाम के किसान के के पास मात्र चार बीघा जमीन है उसकी भी जमीन में से तीन बीघा पर रेलवे प्रशासन में कब्जा कर लिया जो की हार्ट अटैक का मरीज है इसी प्रकार की करुणा गायक कहानी सामने आ रही है हंसराज मंडलोई ना आगे बताया है कि इंदौर से लगाकर बुधनी तक प्रशासन पूरी मनमर्जी पर उतर आया है और जगह-जगह किसानों की जमीन पर बलपुरवक कब्जा कर रहा है तो किसानों द्वारा भी पूरी ताकत से अपनी जमीन बचाने के लिए पूरी ताकत से प्रशासन का विरोध कर रहे हैं कल मिर्जापुर चोबा पिपलिया मिर्जापुर काशोगढ़ अकबरपुर दकना खेड़ी के किसानों ने किसान नेता बलराम पटेल के नेतृत्व में मैदान में उतरे वह रेलवे प्रशासन को अपनी जमीन से बाहर कर दिया।

इसी प्रकार से विधानसभा क्षेत्र के गांव में भी किसानों द्वारा पूरी ताकत से विरोध किया जा रहा हैं तो बुधनी विधानसभा क्षेत्र के किसान की पूरी ताकत से मैदान पकड़े हुए हैं किसानों ने सरकार एवं प्रशासन को स्पष्ट चेतावनी दी है कि जब तक हमें हमारी जमीन का बाजार मूल्य से चार गुना मुआवजा नहीं मिलता एवं प्रत्येक प्रभावित परिवार के युवा को नौकरी नहीं मिलती तब तक किसी भी स्थिति में हम हमारी जमीन पर किसानों को कब्जा नहीं करने देंगे।

त्योहारी सीजन में मुख्य सड़क पर हर कहीं वाहन खड़े होने से यातायात हो रहा प्रभावित

भानपुरा (मंदसौर)। नगर के व्यस्ततम मुख्य मार्ग पर एवं नगर के अन्य प्रमुख मार्गों पर खड़े किए जाने वाले बेतरतीब वाहनों से लोगों का सड़क पर चलना दुभर हो रहा है। वर्तमान त्योहारी सीजन के चलते मुख्य मार्ग पर लोग मनमर्जी से जहां-चाहे दो पहिया चार पहिया वाहन खड़े कर रहे हैं। ऐसे में सड़क पर अन्य वाहनों का निकलना चलना मुश्किल हो रहा है। एवं आम जनों का भी पैदल चलना दुभर हो रहा है। नगर का मुख्य मार्ग चंबल तिराहे से लेकर निमथुर गेट तक काफी चौड़ा होने के बावजूद दोनों छोर पर भारी अतिक्रमण एवं वाहनों के आड़े तिरछे खड़े होने से मुख्य मार्ग की सड़क सिर्फ पगडंडी के रूप में दिखाई देती है ऐसी स्थिति में छोटे चार पहिया वाहन भी बड़ी मुश्किल से धीरे-धीरे रेंगते हुए निकल पा रहे हैं। ऐसी स्थिति में नगर के मुख्य मार्ग चंबल तिराहे से लेकर गरोठ रोड, नया बस स्टैंड, झालावाड़ रोड, लोटखेड़ी दरवाजा के सामने, नदी मार्ग आदि मार्गों पर वाहन चालकों द्वारा नियम कायदों को ताक पर रखकर वाहन चालक मनमर्जी से जहां चाहे वहा वाहन खड़े कर दे रहे हैं। ऐसे में नगर के इन मार्गों पर गंभीर दुर्घटनाएं घटित होने की लगातार संभावनाएं निर्मित हो रही है। आमजन भी अपनी जिम्मेदारों को नहीं समझते हुए मनमर्जी से जहां-चाहा वहा वाहन खड़े कर नगर की सुंदरता पर दाग लगा रहे हैं। इन वाहनों के प्रति नगर परिषद, पुलिस प्रशासन एवं प्रशासन के अधिकारियों को इस त्यौहारी सीजन को देखते हुए सख्त कदम उठाने होंगे।

शासकीय कन्या उ.मा. विद्यालय छात्रा शिवांगी व अफरीन ने राज्य स्तरीय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में पदक जीते

भानपुरा (मंदसौर)। स्थानीय शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भानपुरा की कक्षा 11 वीं की छात्रा शिवांगी मुकेश व 10 वीं छात्रा अफरीन शहजाद द्वारा विगत दिनों सिहोर मध्य प्रदेश में आयोजित राज्यस्तरीय शालेय वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में छात्रा शिवांगी ने सीनियर वर्ग मे 65 किलों वजन उठा कर सिल्वर मेडल प्राप्त किया एंव छात्रा अफरीन जूनियर वर्ग में 45 किलो वजन उठाकर चतुर्थ स्थान प्राप्त कर विजेता बनी। विद्यालय के खेल शिक्षक भानु प्रतापसिंह चौहान, अशोक विश्वकर्मा एवं प्राचार्य गुलाम मोहम्मद शेख व विद्यालय परिवार ने दोनों छात्राओं के उत्कृष्ट प्रदर्शन पर बधाई देते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी है।

कमलेश सेन पश्चिम मध्य रेल सलाहकार समिति के पुनः सदस्य बने

मंदसौर । पश्चिम मध्य रेल भोपाल मंडल गठित रेल उपयोगकर्ता सलाहकार समिति में रेल्वेत अप डाउनर्स प्रोग्रेसिव वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश सेन को पुन- सदस्य बनाया गया है। रेल मंत्रालय के निर्देश पर रेल बोर्ड यात्री सेवाओं, सुविधाओं और उनकी समस्याओं के शीघ्र निराकरण के लिए समिति कार्य करती है। कमलेश सेन पूर्व में भी इस समिति के सदतस्य रह चुके हैं। इस समिति का कार्यकाल 2 वर्ष का है। कमलेश सेन को उनके उल्लेखनीय कार्य को देखते हुए उन्हें यह भार सौंपा गया है। पुन- सदस्य बनने पर कमलेश सेन ने रेल मंत्री अश्विन वैष्णव, क्षेत्रीय प्रबंधक, मण्डल रेल प्रबंधक भोपाल का आभार व्यक्त किया। भारतीय सेन समाज प्रदेश मिडिया प्रभारी सेन तुलसीराम राठौर मंदसौर ने बधाई देते हुए वरिष्ठ नेतृत्व का आभार प्रकट किया है और भई कमलेश सेन को उज्जवल भविष्य की शुभकामनाऐ दी।

सांसद सुधीर गुप्ता बने भाजपा के सक्रिय सदस्य

मंदसौर। मंदसौर जिले में भाजपा के कार्यकर्ताओं को सक्रिय सदस्य बनाने का अभियान विगत 16 अक्टूबर से प्रारंभ हो चुका है। 20 अक्टूबर को भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने वरिष्ठ सांसद सुधीर गुप्ता को भाजपा की सक्रिय सदस्यता दिलवाई। इस अवसर पर पूर्व विधायक एवं पूर्व भाजपा जिला अध्यक्ष देवीलाल धाकड़ , भाजपा जिला मंत्री नरेंद्र पाटीदार,भाजपा उत्तर मंडल अध्यक्ष अरविंद सारस्वत और भाजपा नेता रमेश धाकड़ सहित अन्य पदाधिकारी गण उपस्थित रहे।

उल्लेखनीय है कि मंदसौर जिले में सामान्य सदस्यता अभियान दो चरणों में सम्पन्न हुआ। जिसमें भाजपा जिलाध्यक्ष नानालाल अटोलिया के नेतृत्व में भाजपा पदाधिकारियों एंव कार्यकर्ताओं के अथक परिश्रम से जिला भाजपा ने लगभग 3.50 लाख से अधिक ऑनलाइन एंव ऑफलाइन सदस्यता का लक्ष्य प्राप्त कर लिया है । जानकारी देते हुए भाजपा जिला अध्यक्ष नानालाल अटोलिया ने बताया कि सामान्य सदस्यता अभियान के बाद सक्रिय सदस्यता अभियान अंतर्गत जिले के सभी 18 मंडलों में लगभग 450 से अधिक पदाधिकारीयो ने आज दिनांक 20 अक्टूबर तक सक्रिय सदस्यता प्राप्त कर ली है। आने वाले दिनों में सक्रिय सदस्यता के आंकड़े में तेजी से इजाफा होगा।

मंदसौर में विद्वजनों ने 31 अक्टूबर को दीपावली मनाने का अभिमत दिया

मंदसौर।

दीपावली का त्यौहार कब मनाया जाए ? विभिन्न पंचांगों और मत मतांतर के चलते 31 अक्टूबर और 1 नवंबर इन दो दिनों में दीपावली पर्व को मनाने की चर्चाएं चल रही है ।

ऐसे में आम जनमानस में यह उत्सुकता और जिज्ञासा है कि दीपावली का पर्व 31 अक्टूबर को मनाया जाए या 1 नवंबर को। इसी विषय को दृष्टिगत रखते हुए श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर परिसर के सत्संग सभागार में नगर के धर्माचार्य विद्वानों ज्योतिष और कर्मकांड के आचार्यों की एक विद्वत गोष्ठी का आयोजन किया गया।

इस गोष्ठी में 12 विद्वान सम्मिलित हुए। इनमें 9 विद्वानों ने 31 अक्तूबर को और तीन विद्वानों ने 1 नवंबर को दीपावली मनाने का अभिमत प्रदान किया।

पंचांगकर्ता तथा ज्योतिष और कर्मकांड के विद्वान आचार्य डॉ. देवेंद्र शास्त्री ने कहा कि इस वर्ष 31 अक्टूबर और 1 नवंबर दोनों ही दिन अमावस्या प्रदोष काल में ही आ रही है किंतु एक दिन पूर्व 31 अक्टूबर को अमावस्या संपूर्ण प्रदोष काल में आती है और 1 नवंबर को अल्पकाल के लिए इसलिए धर्म शास्त्रों के धर्म सिंधु व निर्णय सिंधु ग्रंथों के अनुसार पूर्व काल की अमावस्या यानी 31 अक्टूबर को संपूर्ण प्रदोष काल में अमावस्या है अतः 31 अक्टूबर को दीपावली पर्व और महालक्ष्मी जी की पूजन करना शास्त्र सम्मत होगा। श्री पशुपतिनाथ संस्कृत पाठशाला के आचार्य पंडित विष्णु ज्ञानी ने कहा कि यह विषय पंचांग कर्ताओं और ज्योतिषियों का है अतः यह निर्णय वे करेंगे तो ही ज्यादा उचित होगा और सर्वमान्य होगा। विद्वत गोष्ठी में उपस्थित पं. जगदीश लाड़, पं. दिलीप दुबे, पं. संदीप उपाध्याय, पं. भानुप्रताप, पं. राकेश भट्ट, पं. रामेश्वर शर्मा, पं. भूपेंद्र शर्मा ने भी 31 अक्टूबर को ही दीपावली पर्व मनाया जाने पर अपना अभिमत व्यक्त किया। विद्वत गोष्ठी में उपस्थित पंचांगकर्ता व ज्योतिष पं. गोपाल प्रसाद द्विवेदी, पं. गोपाल पंचारिया और पं. शैलेंद्र उपाध्याय ने 1 नवंबर को दीपावली पर्व और लक्ष्मी पूजा किए जाने पर अपना मत व्यक्त किया।

इस अवसर पर नगर के वरिष्ठ समाजसेवी गुरुचरण बग्गा, सेवानिवृत न्यायाधीश रघुवीरसिंह चुंडावत, पत्रकार डॉ. घनश्याम बटवाल, समाजसेवी नरेंद्र अग्रवाल, उमेश पारीख, नरेंद्र कुमार त्रिवेदी, श्री तलाई वाले बालाजी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष पं.धीरेंद्र त्रिवेदी, कार्यकारी अध्यक्ष जयप्रकाश सोमानी, धन्नालाल भगत, महेश कटलाना, विश्वमोहन अग्रवाल, रवि अग्रवाल आदि उपस्थित थे। विद्वत गोष्ठी का संचालन पत्रकार ब्रजेश जोशी ने किया।

नन्हे मुन्ने बाल स्वयंसेवको ने दिया अनुसाशन व राष्ट्र भक्ति का संदेश

आरएसएस के पथ संचलन में कदमताल करते हुए निकले बाल स्वयंसेवक

सुसनेर, राष्ट्रीय जनभावना। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्थापना दिवस विजयादशमी के निमित्त प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी रविवार की सुबह राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के बाल स्वयंसेवको का द्वारा नगर में पथ संचलन निकाला गया। नगर की केशव बस्ती में श्रीराम मंदिर धर्मशला प्रागंड में सुबह 9 बजे एकत्रीकरण रखा गया। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित बौद्धिक सह प्रमुख दयाराम ओसारा ने अपने उद्बोधन में बताया कि हम सभी भाग्यशाली है जो हमारा जन्म भारत जैसे महान देश मे हुआ। भारत सदियों से संघर्ष करते आ रहा है। लेकिन कभी किसी देश को तलवार

के बल पर अपने अधीन नही किया। हमेशा अपने ज्ञान के बल पर ही आगे बढ़ा है। अन्य देश शासन करने के लिए शक्तिशाली बने लेकिन भारत अपनी शक्ति का उपयोग विश्व गुरु बनने में करता है। यह समय एकता व शक्ति सम्पन्न बनने का है। आज के समय मे शक्ति की ही उपासना होती है। शक्तिशाली व सम्पन्न रहेंगे तो ही जिंदा रह पाएंगे। इसलिए सभी एक रहे। पथ संचलन नगर में भ्रमण करते हुएं नवीन बस स्टेंड स्थित सरस्वती शिशु मंदिर पहुंचा। जहां संचलन का समापन किया गया। पथ संचलन में नन्हे मुन्ने स्वयंसेवको में काफ़ी उत्साह देखने को मिला। संचलन में 3 वर्ष के स्वयंसेवक भी शामिल हुए। बाल स्वयंसेवको ने घोष की धुन पर कदमताल करते हुए अनुशासन एवं एकता का संदेश दिया। संचलन में संघ के स्वयंसेवक गणवेश में घोष की मधुर धुन पर कदमताल करते हुएं शामिल थे। संचलन का जगह-जगह नगरवासियों के द्वारा पुष्पवर्षा कर स्वागत किया गया। इस दौरान सुरक्षा के मद्देनजर पुलिसकर्मी भी तैनात रहे।

ऑपरेशन मुस्कान के तहत पुलिस ने मानसिक रूप से विक्षिप्त बालिका को परिजन से मिलाया

बड़वानी। ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत गुम बालक-बालिकाओं, महिलाओं को दस्तयाब करने के लिए पुलिस अधीक्षक पुनीत गेहलोद के द्वारा सभी राजपत्रित अधिकारी एवं थाना प्रभारियों को निर्देशित किया गया है। 19 अक्टूबर को थाना सेंधवा ग्रामीण अंतर्गत चौकी बिजासन के ग्राम खड़किया में एक अज्ञात बालिका घुमते हुए मिलने पर नाम पता पुछने पर कुछ नहीं बताया। मंदबुद्धि होकर ग्राम खरकिया एबी रोड़ पर घूम रही थी। उक्त बालिका की फोटो आसपास के क्षेत्र एवं निकटतम राज्य महाराष्ट्र शिरपुर एवं बॉर्डर से लगे ग्रामों में भेजने पर उक्त बालिका का नाम पते कि जानकारी मिलने पर तत्काल बालिका को ग्राम पनाखेड़ा महाराष्ट्र जाकर पालिका उक्त बालिका को उसकी नानी के सुपुर्द किया। जिससे परिजनों के चेहरे पर मुस्कान लौट आई। पुलिस की इस कार्रवाई में थाना प्रभारी ग्रामीण निरी दिलीप कुमार पुरी, सहायक उपनिरीक्षक धनेश्वर पाटील, प्रआर अभिषेक यादव की सराहनीय भूमिका रही। उल्लेखनीय है कि ऑपरेशन मुस्कान के तहत 1 जनवरी 2024 से अब तक कुल 152 बालिकाएं एवं 7 बालक को दस्तयाब कर सकुशल परिजनों के सुपुर्द किया गया है।

मैसेज आया..5 फ्लाइट में 10 आदमी बम के साथ सवार

इंदौर। आपके 5 विमानों में 10 आदमी बम के साथ सवार हैं। हर कोई कब्र में समा जाएगा। रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्क पर ये धमकी भरा मैसेज पोस्ट किया गया। मैसेज में 5 फ्लाइट के नंबर भी दिए गए, जिसमें एक फ्लाइट अलायंस एयर की दिल्ली-इंदौर (9I 621) भी शामिल है। धमकी भरे इस मैसेज के बाद इंदौर के देवी अहिल्या बाई इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई।

छोटे दुकानदारों से खरीदारी कर नपा अध्यक्ष ने दिया लोकल फॉर वोकल का संदेश

शामगढ़(मंदसौर)। नगर परिषद अध्यक्ष कविता नरेंद्र यादव एवं नगर पालिका मुख्य अधिकारी सुरेश यादव अध्यक्ष प्रतिनिधि नरेंद्र यादव एवं कई कार्यकर्ताओं की मौजूदगी में नगर की जनता को नगर परिषद अध्यक्ष एवं सीएमओ के द्वारा दीपावली के पर्व को मनाने के लिए लोकल फॉर वोकल का अभिनव संदेश देते हुए दीपावली पर चाइना आइटम जैसे दीपक एवं लाइट डेकोरेशन के अन्य कई आइटम स्वदेशी ही खरीदे नपा अध्यक्ष ने छोटे दुकानदारों से दीपक खरीद कर उन्हें दीपावली की बधाई दी नपा अध्यक्ष ने नगर परिषद की ठेला पर्ची रोज बनती है उसकी वसूली दिवाली तक नहीं करने का आदेश जारी कर छोटे दुकानदारों को राहत प्रदान की हैं।

समाजसेवी सदस्यों ने वितरित किए स्कूल बैग व कॉपिया

बड़वानी। शासकीय एकीकृत माध्यमिक जुलवानिया में शनिवार को कक्षा 1ली से 5वीं तक के बच्चों को समाजसेवी विष्णु अग्रवाल सेंधवा एवं राजेन्द्र शर्मा द्वारा चॉकलेट का वितरण कर मुंह मीठा कराया गया। साथ ही बच्चों को स्कूल बैग एवं कॉपियों का वितरण किया गया। उनके द्वारा बच्चों को सामान्य ज्ञान के प्रश्न भी पूछे गए। बच्चों द्वारा संतोष जनक जवाब देने पर उनकी प्रशंसा की गई। इस अवसर पर शिक्षक दिनेश सोलंकी, श्रीमती विक्टोरिया भूरिया एवं श्रीमति सरिता पटेल उपस्थित थे।

जंगल में लावारिस पड़ी मिली पूर्व शिक्षा मंत्री हरिभाऊ जोशी की मूर्ति

सुसनेर, राष्ट्रीय जनभावना। शहर से गुजर रहे उज्जैन झालावाड़ राष्ट्रीय राजमार्ग 552 जी पर स्थित आमला चोराहे पर भाजपा नेता तथा पूर्व शिक्षामंत्री व पँचायत मंत्री एवं सुसनेर विधानसभा क्षेत्र 165 में लंबे समय तक विधायक रहे स्वर्गीय हरिभाऊ जोशी की प्रतिमा लगीं हुई थी। किंतु ह्यइवे के निर्माण कार्य की जद में आने के कारण इस प्रतिमा को एनएचएआई की ठेका कम्पनी जीएचवी के द्वारा हटा दिया गया था जो कि रविवार को टोल प्लाजा के समीप जंगल में लावारिस हालत में पड़ी मिली है। इस घटना से स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओ में काफी नाराजगी है। सोशल मीडिया पर

इसका विरोध भी शुरू हो चुका है।नाराज स्थानीय भाजपा कार्यकर्ताओं व नेताओ तथा जनप्रतिनिधियों ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण व स्थानीय प्रशासन व स्थानीय प्रशासन से पुनः राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रतिमा को स्थापित किये जाने की मांग करते हुए टोल प्लाजा की ठेला कम्पनी के जवाबदारों व जीएचवी कम्पनी के खिलाफ दण्डात्मक कार्रवाई की मांग की है। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1957 में हरिभाऊ जोशी सुसनेर से पहली बार भाजपा के विधायक बने। उसके बाद वे अपने कार्यकाल में वर्ष 1962, 1972, 1977 तक विधायक रहे। उसके बाद वर्ष 1977 से लेकर 1980 तक वे मध्यप्रदेश के पँचायत मंत्री व शिक्षा मंत्री रहे। उनका जीवन त्याग व समर्पण के लिये जाना चाहता था। राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ के प्रचारक के रूप में उन्होंने सुसनेर विधानसभा के रूप में सेवा दी। इसके नाते विधानसभा क्षेत्रवासियों से उनका जीवंत संपंक रहा। ओर इसी के फलस्वरूप वे सुसनेर विधानसभा से विधायक बनने के बाद शिक्षामंत्री व पँचायत मंत्री भी बने। भाजपा के ऐसे नेता व समाजसेवी, पुर्व शिक्षा मंत्री पँचायत मंत्री व पूर्व विधायक की मूर्ति का जंगल में लावारिस हालात में मिलना पूरी पार्टी का अपमान है। इस घटना से भाजपाइयों में आक्रोश बढ़ता ही जा रहा है।

गुलामाने मुस्तफा कमेटी की अगुवाई में इज्तिमाई शादी सम्मेलन में 18 जोड़ों ने निकाह कुबूल किया

भानपुरा (मंदसौर)।

20 अक्टूबर को कृषि उपज मंडी प्रांगण में नगर की सामाजिक संस्था गुलामाने मुस्तफा कमेटी के तत्वाधान में इज्तिमाई शादी सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें 18 जोड़ों का निकाह हुआ।

इस अवसर पर नगर सहित अन्य स्थानों से आए बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज जन शामिल हुवे। रविवार 20 अक्टूबर को गुलामाने मुस्तफा कमेटी के तत्वाधान में इज्तिमाई शादी सम्मेलन का आयोजन नगर की कृषि उपज मंडी परिसर में आयोजित किया गया।

आयोजित शादी सम्मेलन में 18 जोड़ों का निकाह संपन्न कराया गया। शहर काजी इमरान अली साहब ने इज्तिमाई शादी सम्मेलन में 18 जोड़ों का निकाह पड़वाया।

व निकाह की सुन्नत रस्म को अदा की गई। शादी सम्मेलन के आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मजहर हुसैन सदर रावतभाटा एवं अतिथि जनपद पंचायत अध्यक्ष भानपुरा विजय कुमार पाटीदार, नगर परिषद अध्यक्ष भानपुरा विनोद शिव भानपिया, सनातन धर्म मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सोनी, पूर्व अध्यक्ष लालचंद रुद्रवाल, डां राजेन्द्र कुमार दुबे,नगर परिषद उपाध्यक्ष प्रतिनिधि डॉक्टर जाकिर शेख, पार्षद गण सुभाष बागड़ी, जहिर मंसूरी, प्रेस

क्लब अध्यक्ष हरिकृष्ण मरमट, अशफाक हुसैन, हनीफ, शुजाफरीद चौधरी, शरीफ मुल्तानी, वसीम खान, कांग्रेस नेता मुकेश पाटीदार,दिनेश छालीवाल सहित कई अन्य गणमान्य जन मंच पर उपस्थित थे। मंचासीन अतिथियों का गुलामाने मुस्तफा कमेटी सदर रफीक मोहम्मद मंसूरी एवं कमेटी के अन्य पदाधिकारीयों द्वारा साफा बंधवाकर एवं पुष्प हारो से स्वागत किया गया। आयोजित शादी सम्मेलन में गुलामाने मुस्तफा कमेटी द्वारा शादी सम्मेलन में सम्मिलित हुवे जोड़ों को गृहस्थी का विभिन्न समान भेंट किया गया। इसके साथ ही नगर परिषद अध्यक्ष एवं पार्षदों द्वारा सभी जोड़ों को उपहार के रूप में एक-एक दीवार घड़ी भेंट की गई। श्री सनातन धर्म मंडल भानपुरा एवं श्री सूर्य वंशीय कुमरावत तंबोली समाज द्वारा भी अन्य तरह के उपहार व भेंट जोड़ों के लिए प्रदान की गई । शादी सम्मेलन में आयोजित कार्यक्रम का संचालन असलम पठान द्वारा किया गया।

मेरा कॉलम

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा 'उरतृप्त'
मो. नं. 73 8657 8657

जो सिर्फ़ दिखते हैं, लेकिन अपने नहीं लगते

जब हम छोटे थे, तो हमारे सपने भी बड़े हुआ करते थे। ज़िन्दगी के हर मोड़ पर एक नई दुनिया देखते थे, जहाँ हम सब कुछ बदल सकते थे। स्कूल की छुट्टी के बाद घर आते ही हमारे मन में नए सपने जन्म लेते थे–कुछ ऐसे सपने जो न सिर्फ़ हमें, बल्कि दुनिया को भी नई दिशा दे सकते थे। एक समय था जब हम सुपरमैन बनकर इंसाफ़ करते थे, या फिर रजनीकांत की तरह एक ही किक में गुंडों को धूल चटाते थे। ये सपने हमेशा हक़ीक़त से परे होते थे, लेकिन अपनी मासूमियत में वो सच जैसे लगते थे। लेकिन आज, बड़े होकर समझ आया कि असल ज़िन्दगी में सपने नहीं, काम चलते हैं। जब हम ऑफिस में जाते हैं, तो वो सपने, जो कभी ज़िन्दगी का हिस्सा हुआ करते थे, किसी कोने में दब जाते हैं। सुपरमैन बनकर दुनिया को बचाने के बजाय, हम अब एक कर्मचारी बनकर फाइलों के ढेर में खो जाते हैं। रजनीकांत के एक्शन की जगह अब बॉस का मेल पढ़ने में ऊर्जा लगाते हैं। असल दुनिया के गुंडे नहीं, बस डेडलाइन्स और टार्गेट्स से निपटना होता है। कभी-कभी ऐसा लगता है कि सपनों का वो बचपन बस एक बीती कहानी थी, जो अब ज़िन्दगी के हिसाब-किताब के बीच कहीं खो गई है। बचपन में हमेशा कहा जाता था कि पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब। हर माँ-बाप के सपने में उनके बच्चे के लिए एक अच्छी नौकरी होती थी, एक सेटल्ड लाइफ़ का सपना होता था। उस समय हमें भी लगता था कि अगर हम पढ़ाई में अच्छे हैं, तो आगे चलकर सब कुछ अपने आप बदल जाएगा। पर असल में जब हमने नौकरी शुरू की, तो समझ आया कि यह दुनिया फाइल घिस-घिस कर जीने वाली है। नवाब तो दूर की बात है, हम क्लर्क बनकर अपनी ज़िन्दगी की फाइल ही घिस रहे हैं। अब हर सुबह जब ऑफिस के लिए निकलते हैं, तो जो ऊर्जा हमारे अंदर होती है, वो रास्ते में ट्रैफिक के साथ गुज़र जाती है। सिग्नल पर रुकते वक़्त, हम अपने सपनों को फिर से याद करते हैं, लेकिन आजकल की ज़िन्दगी में वो सपने वहीं सिग्नल पर अटक जाते हैं। ट्रैफिक की भीड़, हॉर्न का शोर, और वक़्त के पीछे भागते लोग–सब कुछ एक जैसा लगने लगता है। हर दिन एक ही कहानी बन गई है, एक रूटीन जो कभी खत्म नहीं होती। ज़िन्दगी को जीने के लिए नहीं, सिर्फ़ बिताने के लिए वक़्त बचा है। और वही पार्क जहाँ हम कभी पेड़ों पर चढ़कर सपने देखा करते थे, आज वहाँ एक बड़ा मॉल खड़ा है। वक़्त के साथ पेड़ ग़ायब हो गए, और लोगों के सपने भी छोटे होते गए। अब लोग अपने सपनों को पूरा करने के बजाय, नए फोन और गैजेट्स खरीदकर खुश होते हैं। पहले हम ऑक्सीजन लेने के लिए पेड़ों की छांव में बैठते थे, लेकिन आज ऑक्सीजन की ज़रूरत होने पर भी लोग सिर्फ़ नए मॉल में शॉपिंग करते हैं। भले ही साँस लेने के लिए ऑक्सीजन कम हो, नए फोन लेने के लिए ईएमआई का इंतज़ाम ज़रूर हो जाता है। पूरा शहर एक बड़ा शोरूम बन गया है, और सपने अब उन शेल्फ़ में रखे सामान की तरह लगते हैं–जो सिर्फ़ दिखते हैं, लेकिन अपने नहीं लगते। जमाना भी कितना बदल गया है। पहले आओ कभी हवेली पे जैसी दावतें होती थीं। लोग एक-दूसरे से मिलने का इंतज़ार नहीं करते थे, बस चले जाते थे। लेकिन आज, सब कुछ सिर्फ़ मैसेज और इमोजी तक सिमट गया है। मैसेज कभी करेगा क्या? यही हमारी ज़िन्दगी का सबसे बड़ा सवाल बन गया है। ज़िन्दगी के हिसाब-किताब में इतनी टेंशन है कि लोग अब फेसबुक पर रिलैक्स बटन ढूंढने लगे हैं। रिलैक्स करने का मतलब भी वर्चुअल हो गया है। लाइक और शेयर करने में लोग अपनी खुशी ढूंढने लगे हैं, और असली खुशी का मतलब कब खो गया, किसी को याद ही नहीं। जो सपने हमने छोटे होते हुए देखे थे, वो सपने आज भी वहीं हैं, बस उनका अंदाज़ बदल गया है। अब हम सुपरमैन नहीं, बस एक सुपर सैलरीड एम्प्लॉई बनना चाहते हैं। सुपरमैन बनकर दुनिया नहीं बदलनी, बस एक स्टेडी जॉब चाहिए, जिसमें प्रमोशन के सपने देख सकें। टार्गेट्स और डेडलाइन्स से लड़ते-लड़ते हम अपने बचपन के सपनों को भूल गए हैं। एक ज़माना था जब हम दुनिया को अपनी मर्ज़ी से चलाना चाहते थे, लेकिन आज दुनिया ने हमें अपनी मर्ज़ी से चलाना सिखा दिया है। जब हम छोटे थे, तो सोचा था कि बड़े होकर दुनिया को बदलेंगे, लेकिन अब लगता है कि दुनिया हमें बदल कर ही रहेगी। हमारे सपने आज भी वैसे ही हैं, लेकिन उनमें एक प्रैक्टिकल एंगल आ गया है। अब हम सपने सिर्फ़ देखते नहीं, उन्हें सैलरी स्लिप्स, ईएमआई के हिसाब से तोलते हैं। सुपरमैन का कॉस्ट्यूम अब एक प्रोफेशनल सूट बन गया है, और हमारी सुपरहीरो पॉवर्स फाइलों के डेडलाइन्स और एक्सेल शीट्स के बीच खो गई हैं। बचपन के सपने प्यारे होते हैं, लेकिन बड़े होते-होते हम उन सपनों के मतलब को बदल देते हैं। ज़िन्दगी का यही सत्य है–हमारे सपने वैसे ही रहते हैं, बस हम उन्हें जीने का तरीका बदल लेते हैं। पहले सपनों में उड़ कर दुनिया को देखा करते थे, और आज सपने ही हमारे आसमान बन गए हैं, जिनमें हम उड़ना भूल गए हैं।

भवन तोड़ने पहुंचे अधिकारियों के सामने बिलख पड़े परिजन

ऊपरी हिस्सा तोड़ने में चार बार टुटी रस्सी, परिजन बोले, राजनीति दबाव में हुई कार्रवाई

जावरा।

शहर के व्यस्तम चौराहे घंटाघर पर नगर पालिका प्रशासन ने दो भवन को जर्जर घोषित कर दिया ओर रविवार को पुलिस और नगर पालिका की टीम तोड़ने पहुंच गई।

इस दौरान भवन मालिकों ने कार्रवाई का विरोध किया, भवन मालिक बोले- दो बार नोटिस का जवाब दिया, दूसरी मंजील की मरम्मत भी करवा दी गई थी, जिसमें 25 हजार रूपये पूरे हुए। नपा जिसे जर्जर भवन बता रही है उस भवन के ऊपरी हिस्से को गिराने के लिए 4 बार बांधी गई रस्सी भी टुट गई। फिर यह जर्जर भवन कैसे, बावजूद भी राजनीति दबाव के चलते जर्जर भवन के बहाने गिराये जा रहे है। भवन गिराने की कार्रवाई प्रारंभ हुई तो परिजन रोते-बिखलते अधिकारियों के सामने हाथ जोड़कर कार्रवाई रूकवाने का निवेदन करते नजर आए। बता दे कि, भवन गिराने को लेकर दो दिन पहले शुक्रवार को दो चचेरे भाईयों में आपस में हाथापाई भी हो गई थी।

घंटाघर चौराहे पर तीन भाई प्रकाशचंद्र, राजेश कुमार और फतेहलाल की सोने-चांदी की दुकान संचालित होती है। फतेहलाल की दुकान का नवनिर्माण का कार्य चल रहा है। दुकान निर्माण के दौरान दीवार उतारने की बात को लेकर फतेहलाल का भाई राजेश और प्रकाशचंद्र से विवाद चल रहा है। इधर जर्जर भवन को लेकर नगर पालिका ने प्रापर तौर पर तीन तरीके से नोटिस भी दिए थे। रविवार को अमला जब प्रकाश ओर राजेश के जर्जर भवन के ऊपरी हिस्से को तोड़ने पहुंचा तो परिजन बिलख उठे। परिवार की महिलाओं की आंखों से भी आंसु टपक पड़े। भवन मालिकों ने अधिकारियों के सामने हाथ भी जोड़े लेकिन भवन का ऊपर का भाग को ध्वस्त कर दिया गया। फिर अंधेरा होने के कारण कार्रवाई रोक दी गई।

लगाया आरोप, एग्रीमेंट नही किया तो दी धमकी

जर्जर भवन स्वामी प्रकाशचंद्र सोनी की बेटी अंजना सोनी ने मीडिया को चर्चा में बताया कि चाचा फतेहलाल की दुकान का निर्माण कार्य चल रहा है। उनको उनकी दीवार बनाना है, हमने हमारे पडोसी से कहा कि तुम अपनी 5 इंच में दीवार बना लो हमे नही बनाना है तो उनके पुत्र गौरव सोनी ने हमे धमकी दी थी कि मै अब पूरा प्लाट करके रहुंगा और अपने हिसाब से हिस्सा करूगा। उन्हे उनकी दीवार बनाना थी तो बना लेते पडोसी की दीवार क्यो गिरवा दी। यह सब राजनीतिक दबाव में हुआ है। दो दिन पहले भी शुक्रवार को मेरे भाई विजय और पापा के साथ गौरव ने मारपीट की थी, दोनों के हाथ और पैर में चोट आई। शहर थाने में एफआईआर दर्ज नही की। इधर नपा जर्जर अधिकारियों ने जबरन पापा-मम्मी और भाई से पंचनामे पर हस्ताक्षर करवा लिए। हमने सीएम हेल्प लाईन पर भी शिकायत की थी, लेकिन आज ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई है, जो अनुचित है।

सीएमओं बोलीः 3 बार दे चुके थे नोटिस

मामले को लेकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी दुर्गा बामनिया का कहना है कि किसी भी प्रकार से राजनीति दबाव में यह कार्रवाई नही हुई है। तीन बार प्रापर रूप से जर्जर भवन मालिकों को नोटिस जारी किए गए थे, उन्है पर्याप्त समय भी दिया गया था। दो दिन पूर्व मोका मुआयना भी किया था तब शनिवार तक भवन मालिकों ने स्वयं जर्जर हिस्सा गिराने का आश्वासन दिया था। लेकिन ऐसा नही हुआ, आगामी दिनों में दीपावली का त्यौहार है, व्यस्तम क्षेत्र होने से कोई अनहोनी ना हो इसलिए रविवार को जर्जर भवन का ऊपरी हिस्सा ध्वस्त किया है।

चांद को अर्ध्य दे पतियों की उतारी आरती

जावरा । भारतीय संस्कृति में महिलाओं के लिए सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण माना जाने वाला व्रत है करवा चौथ। इस दिन सभी पत्नियां अपने पतियों की लम्बी उम्र की कामना के लिए इस व्रत को रखती है, रात में चांद निकलने पर अर्ध्य देकर अपने पति की आरती के बाद उसी के हाथ से जल ग्रहण कर अपना व्रत तोड़ती है। इस पर्व को लेकर सुबह से ही महिलाएं ब्यूटी पार्लर की ओर रूख करने लगी। चारों तरफ पर्व को लेकर उत्साह का माहौल था। करवाचौथ पर ब्यूटी पार्लरों में भीड़ जमा रही तो घरों में भी महिलाओं ने उबटन से रूप संवारने का काम किया। एंजल ब्यूटी पार्लर संचालक श्वेता भाटी एवं अंजली भाटी ने बताया कि करवा चौथ के लिए दो-तीन दिन पहले से ही महिलाओं ने अपनी बुकिंग कर ली फिर भी कई महिलाएं एवं युवतियाँ हमारे यहाँ समय न मिलने से अन्य जगह जाना पड़ा जिसका हमें अफसोस है।

बाजार में भी रह चहल-पहल

नगर में भी करवाचौथ को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही बाजारों में महिलाओं की काफी भीड़ लगी रही। नगर के साथ आसपास के अंचलों से आई महिलाओं ने भी अपने सुहाग की लम्बी उम्र के लिए बाजारों में बिक रहे मिट्टी के करवे तथा पूजन सामग्री खरीदी। वहीं चुड़ी की दुकानों पर भी महिलाओं के झुंड नजर आए। शाम होते ही सभी महिलाऐं सज धज कर पुजा के लिए निकल पड़ी ओर चांद निकलते ही अर्ध्य देकर अपना व्रत खोला। नगर के पंजाबी समाज की महिलाओं ने एकत्रित होकर करवाचौथ के अवसर पर गुरूद्वार स्थित मंदिर प्रांगण में सामुहिक पूजा तथा कथा का आयोजन किया। जिसमें समाज की महिलाएं सजधज कर पहुंची। महिलाओं ने बताया कि दिन में कथा के बाद रात में पूजन के बाद चंद्रमा के दर्शन कर व्रत तोड़ा।

पंजाबी महिला समाज द्वारा करवा चौथ का पर्व मनाया गया

रतलाम। छत्रीपूल स्थित पंजाबी धर्मशाला में करवा चौथ का पर्व हर्षोल्लाह से मनाया गया। जिसमें पंजाबी महिला विकास समिति द्वारा समाज की सभी महिलाएं ने पूजन अर्चन किया। इसमें पुष्पा वासन, दर्शन खेड़ा, निर्मला कथूरिया, साक्षी बत्रा, रीना बत्रा, सुनीता वासनवाल, जाह्नवी असरानी, सोनिया शर्मा,दीपिका शर्मा, नूतन मेहता, न्यासी खेरा, दीपा कामरा, गायत्री टंडन, भारती वाधवा, सीमा शर्मा, वैशाली वर्मा, गगनदीप वर्मा, उमा भारद्वाज ज्योति आदि मौजूद रहे। उक्त जानकारी समाज अध्यक्ष पुष्पा वासन ने दी।

58 प्रशिक्षणार्थी में उपस्थित

रतलाम। जय कैला माता शैक्षणिक एवं सामाजिक कल्याण समिति रतलाम द्वारा पी एम विश्वकर्मा प्रशिक्षण केंद्र मोजेक वर्क स्किल्स पर कुम्हार एवं मालाकार प्रशिक्षणार्थी को संस्था के संरक्षक एवं अधिवक्ता ब्रजेश एस. व्यास द्वारा उपभोकता जागरुकता विषय कानूनी सलाह प्रदान की गई। कार्यक्रम मे सर्वप्रथम विभिन्न कानूनी प्रकियाओं के बारे में जानकारी उपस्थित प्रशिक्षणार्थियों को दी गई। तत्पश्चात उनके द्वारा प्रश्नों के माध्यम से समस्या का समाधान निकाला। उक्त कार्यक्रम में लगभग 58 प्रशिक्षणार्थी उपस्थित थे। कार्यक्रम मे पी एम विश्वकर्मा प्रशिक्षण केंद्र के संचालक रौनक जैन एवं स्टाफ आयुष मेहरा, अजय डामर, रिफाकत अंसारी, नन्दनी चौहान, राखी सेन आदि उपस्थित थे।

शालेय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता डिंडोरी में

रतलाम। विभागीय शालेय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता डिंडोरी में आयोजन किया गया। जिसमें पश्चिम क्षेत्र के मध्य फाइनल मुकाबले में विजेता पश्चिम क्षेत्र रहा उप विजेता मध्य क्षेत्र 19 से 23 अक्टूबर में शालेय राज्य स्तरीय कबड्डी प्रतियोगिता रीवा में आयोजित है। उक्त जानकारी देते हुए खेल परिसर बाजना के अधीक्षक महेंद्र सिंह देवड़ा ने बताया मिनी वर्ग कबड्डी टीम से खेल परिसर बाजना से रितेश - शांतु, विशाल, नारायण, महेश, गोपाल, सावन, राकेशस, लालू, हेमचंद्र खिलाडियों को सहायक आयुक्त श्रीमती रंजना सिंह, सहायक संचालक सुश्री प्रीति जैन, प्राचार्य मोतीलाल डोडियार, माध्यमिक विद्यालय के प्रधानाध्यापक श्रीमती आयरिश प्रधान, जिला खेल अधिकारी अजय सिंह बेस, कुश्ती के कोच चंद्रशेखर लश्करी, कबड्डी कोच महेंद्र सिंह देवड़ा, हाई स्कूल माताजी प्रभात शर्मा, हाई स्कूल सकरावदा टीकू जोशी, कन्या स्कूल सरवन प्रकाश नारायण भाटी, बालक हाई सेकेंडरी स्कूल सरवन मनोज यादव, खेल शिक्षक गण संतोष भाभर, सांवरिया निनामा, धर्मेंद्र सिंगाड़, तारिक हुसैन, भावेश चौधरी आदि ने बधाई दी।

आईएमए रतलाम की नवीन कार्यकारिणी ने किया पदभार ग्रहण

रतलाम। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन रतलाम इकाई की वर्ष 2024-25 की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं पदभार ग्रहण समारोह शनिवार शाम को आईएमए में हाल पर संपन्न हुआ। नवीन पदाधिकारी को सिविल सर्जन जिला चिकित्सालय रतलाम डॉ. एम.एस. सागर ने शपथ दिलाई। अध्यक्ष पद का प्रभार डॉ गोपाल यादव एवं सचिव पद का प्रभार डॉ अभिषेक अरोड़ा ने ग्रहण किया। वहीं कोषाध्यक्ष पद का चार्ज डॉ.मनीष गुप्ता ने लिया। उपाध्यक्ष पद का चार्ज डॉ.चैतन्य खंडेलवाल एवं डॉ. भरत कुमरावत ने लिया। सहसचिव पद का प्रभार डॉ. चेतन पाटीदार ने संभाला। कार्यकारिणी में सेंट्रल रिप्रेजेंटेटिव का प्रभार डॉ. अरुण पुरोहित, डॉ. अवधेश अवस्थी, डॉ. प्रदीप दुबे, डॉ.कार्तिक नामदेव एवं डॉ. योगेश तिलकर ने संभाला। वही स्टेट रिप्रेजेंटेटिव के पद का प्रभार डॉ. एस एस गुप्ता, डॉ. देवेंद्र शाह एवं डॉ. के सी लिखार ने संभाला। यह जानकारी नवनियुक्त सचिव डॉ. अभिषेक अरोड़ा ने दी।

गोवंश से भरी पिकअप पलटी : युवक समेत 7 गोवंश की मौत, एक गंभीर घायल, गोवंश को दफनाया

रतलाम। रविवार तड़के गोवंश से भरा एक पिकअप वाहन 8 लेन पर पलटी खाकर पुलिया से नीचे गिर गया। घटना में 7 गोवंश समेत पिकअप में सवार दो युवकों में से एक की मौत हो गई। एक गंभीर घायल हो गया। घटना शहर के डीडी नगर थाना क्षेत्र की है। जानकारी के अनुसार पिकअप वाहन क्रमांक एमपी 11 जेडएफ 3234 ताल की तरफ से 8 केड़े भर कर झाबुआ की तरफ जा रहा था। पिकअप तड़के पलसोड़ी के पास 8 लेन पर पलटी खाकर पुलिया से नीचे जा गिरा। सुबह घटना की जानकारी मिली। मौके पर पुलिस व हिंदू जागरण मंच के पदाधिकारी भी पहुंचे। क्रेन के माध्यम से पिकअप वाहन को खड़ा कर सड़क पर लेकर आए। हादसा इतना भयावह था कि मौके पर ही 7 गोवंश की मौत हो गई।

बताया जा रहा है कि तेज रफ्तार में वाहन के होने के कारण घटना हुई है। पिकअप में दो युवक सवार थे। जिसमें एक की मौत हो गई। मृतक का नाम अरबाज निवासी ताल बताया जा रहा है। दूसरा युवक गंभीर घायल होने पर मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया है। डीडी नगर थाना प्रभारी रविंद्र दंडोतिया ने बताया कि युवक के गंभीर घायल होने से जानकारी नहीं मिल पाई है।

पिकअप में गोवंश लेकर कहा से और कहां जा रहे थे। जांच कर रहे है। घटना के बाद मौके पर पहुंची डीडी नगर पुलिस व हिंदू जागरण मंच के कमलेश ग्वालियरी समेत आसपास के सभी हिंदू संगठनों के पदाधिकारी पहुंचे। सभी की मदद से मृत गोवंश को 8 लेन के आसपास ही जमीन में विधि विधान से दफनाया।

कदम ताल मिलाते हुए बस्तीयों ने निकला पथ संचलन

जावरा।

विजया दशमी पर नगर की त्रंबकेश्वर, विश्वनाथ बस्ती और नागेश्वर बस्ती, पुरानी धान मंडी से पथ संचलन निकला। त्रयंबकेश्वर बस्ती में जिला सह कार्यवाह विनोद पाटीदार का बौद्धिक रहा। नगर व्यवस्था प्रमुख महेंद्र अग्रवाल मंचासिन रहे।

वहीं विश्वनाथ बस्ती में बौद्धिक नगर कार्यवाह आकाश भावसार ने तथा मंचासिन नगर संघ चालक धर्मेन्द्र सिसोदिया रहे। संचलन बोड़िया कुआं से प्रारंभ हुआ। नागेश्वर बस्ती में बौद्धिक जिला सेवा प्रमुख देवीलाल धनगर ने दिया। मंचासिन जिला कार्यालय प्रमुख विजय दोसाया रहे। संचलन रामबाग से प्रारंभ हुआ। सभी संचलन बस्ती के प्रत्येक मोहल्ले में कदम ताल करते हुए पूर्ण अपने स्थान पर पहुंचे जिसमे स्वयंसेवकों ने हाथों में दंड लिए अनुशासनात्मक तरीके से कदमताल किए। संचलन में हजारों स्वयंसेवक मौजूद थे।

इस मौके पर वक्ताओं ने कहा कि हमारे यहां नारी को माता के रूप में पूजा जाता है जबकि अन्य धर्म में नारी को उपभोग की वस्तु माना गया है। इस वर्ष पूर्ण श्लोका अहिल्यादेवी होलकरजी का 300 वां जन्मशती वर्ष मनाया जा रहा है। अहिल्याबाई का एक कुशल राज्य प्रशासक प्रजाहित कर्तव्य परायण, अखिल भारतीय दृष्टि को ध्यान में रखकर तीर्थ क्षेत्र के जीर्णोद्धार व देवस्थानों के निर्माण द्वारा समाज की समरसता तथा संस्कृति को संभाला है। आगामी 15 नवंबर से भगवान बिरसा मुंडा की जन्म जयंती का 150 वां वर्ष प्रारंभ होगा, जनजाति बंधुओं की गुलामी व शोषण से स्वदेश पर विदेशी वर्चस्व से मुक्ति अस्तित्व की रक्षा एवं स्वधर्म रक्षा के लिए भगवान बिरसा मुंडा द्वारा कई प्रयत्न किए। देश बढ़ रहा आगे विज्ञान व तकनीकी के सारे जीवन को हमने सुविधाओं से परिपूर्ण बनाया है परंतु दूसरी ओर अपने स्वार्थ की कला हमें विनाश की ओर धकेल रही है। पूर्व में इजरायल के साथ हमास का संघर्ष आगे कहां तक चलेगा यह चिंता सबके सामने उपस्थित है, अपने देश में भी परिस्थितियों में आशा आकांक्षाओं के साथ-साथ चुनौतियां व समस्याएं विद्यमान है। गत वर्षों में भारत एक राष्ट्र के तौर पर विश्व में सशक्त और प्रतिष्ठित हुआ है, हमारी विश्व बंधुत्व की भावना, पर्यावरण के प्रति हमारी दृष्टि की स्वीकृति, योग, इत्यादि को विश्व निःसंकोच स्वीकार कर रहा है। उक्त जानकारी नगर प्रचार प्रमुख निशांत राठौर ने दी।

रानी चौरसिया ने प्रधानमंत्री योजना का लाभ लेकर पशु आहार उत्पादन शुरू किया

रतलाम।

शासन की योजनाओं का लाभ लेकर रतलाम जिले में बड़ी संख्या में बेरोजगार आत्मनिर्भर बन चुके हैं। जिले के जावरा निवासी रानी चौरसिया भी उनमें से एक हैं।

रानी चौरसिया ने शासन की प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना का लाभ लेकर पशु आहार उत्पादन इकाई प्रारंभ कर दी है जिससे उन्हें अच्छा मुनाफा मिल रहा है, उनके परिवार में खुशहाली आई है। कपास से खली पशु आहार बनाने वाली संभवतः पूरे रतलाम जिले में उनकी एकमात्र यूनिट है।

रानी चौरसिया ने पशु आहार उत्पादन इकाई जावरा मेंन रोड हाईवे पर स्थापित की है। उनके पूरे प्रोजेक्ट की लागत 10 लाख 30 हजार रुपए है। समाचार पत्र से योजना की जानकारी मिलने पर रानी चौरसिया ने विगत वर्ष फरवरी 2023 में ऑनलाइन आवेदन किया था। जिला उद्यानिकी विभाग एवं बैंक की तत्परता से मात्र एक माह में प्रक्रिया पूर्ण कर दी गई थी, उनको साढ़े 7 लाख रुपए टर्म लोन तथा 6 लाख रुपए सीसी लिमिट प्राप्त हुई। योजना का लाभ उठाकर रानी चौरसिया ने अपनी उत्पादन यूनिट स्थापित की जिसमें तीन अन्य कर्मचारी भी रोजगार प्राप्त करते हैं। उनकी यूनिट प्रतिदिन 30 से 40 बोरी कपासिया खली पशु आहार उत्पादित करती है जो स्थानीय व्यापारी खरीदकर ले जाते है। साथ ही दुग्ध उत्पादक एवं पशुपालक खरीदकर अपने पशुओं हेतु ले जाते हैं। इस यूनिट से रानी चौरसिया को लगभग 50 हजार रुपए प्रतिमाह की आमदनी प्राप्त होती है जिससे उनके परिवार का जीवन यापन आसानी से हो पा रहा है।

रानी चौरसिया के कार्य में उनके पति प्रवीण चौरसिया भी मदद करते हैं। प्रवीण पहले प्राइवेट जॉब करते थे परंतु अब प्राइवेट जॉब नहीं करते हैं वह पत्नी द्वारा स्थापित की गई उत्पादन इकाई में सहयोगी की भूमिका निभाते हैं। उत्पादन निकाय के लिए आवश्यक कपास वे महाराष्ट्र से मंगवाते हैं। प्रवीण का कहना है कि महाराष्ट्र से उन्हें अच्छी गुणवत्ता का कपास प्राप्त होता है जिससे अधिक तेलिय मात्रा वाली खाली उत्पादित होती है। उनका मोबाइल नंबर 97549 41199 है। शासन की योजना का लाभ उठाकर परिवार में आई खुशहाली के लिए प्रवीण तथा रानी चौरसिया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को हृदय से धन्यवाद देते हैं।

नगर के विभिन्न स्थानों से हटाया अस्थाई अतिक्रमण

रतलाम। अस्थाई अतिक्रमण को हटाये जाने की मुहिम के तहत निगम आयुक्त हिमांशु भट्ट के निर्देशानुसार नगर के विभिन्न स्थानों पर कार्यवाही करते हुए अस्थाई अतिक्रमण को हटाये जाने के साथ ही संबंधितों पर जुर्माना भी किया गया।

अस्थाई अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के तहत चांदनी चौक, तोपखाना, घांस बाजार, कॉलेज रोड, छत्रीपुल से अतिक्रमण हटाकर सामान जप्त कर पंजरापोल जमा किया गया एवं मयूर कंगन स्टोर पर 2000, गौरव संचेती पर 1000, जैन साहब, राहुल भाई व भारती इलेक्ट्रीक पर 500-500 रूपये का जुर्माना किया गया।

इस अवसर पर दल प्रभारी राजेंद्र सिंह पंवार के अलावा ऋषि पांडे, राकेश शर्मा, मुकेश मेहता, कमलेश सिंह, कृष्णा बैरागी एवं यातायात विभाग के प्रभारी एवं उनकी टीम उपस्थित थी।

सैलाना नगर को बसाने वाले राजा स्वर्गीय जय सिंह राठौर की चरण पादुका की पूजा अर्चना की

सैलाना। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के शिव प्रताप सिंह चौहान के सानिध्य में नगर के बांसवाडा रोड स्थित छतरियों मे स्थापित सैलाना नगर को बसाने वाले राजा स्वर्गीय जय सिंह राठौर की चरण पादुका की पूजा अर्चना श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना व स्थानीय लोगो द्वारा कर महादेव जी की आरती उतारकर प्रसादी वितरण की। उपस्थित करणी सेना के पदाधिकारियों व नागरिको ने महाराज सा की छत्रियो के जीर्णोद्धार की पहल पर जोर दिया। इस दौरान महाराज अमर सिंह राठौर, जिला मंत्री शेर सिंह राठौर, तहसील अध्यक्ष लाखन सिंह राठौर, तहसील कार्यकारणी अध्यक्ष दिलीप सिंह राठौर, तहसील उपाध्यक्ष रंजीत सिंह, नगर अध्यक्ष हर्ष वर्धन सिंह, पूर्व पार्षद जितेंद्र सिंह राठौर, धर्मेन्द्र सिंह राठौर, कुलदीप सिंह,सुनील सिंह परिहार, ज्योतेन्द्र सिंह, अजयपाल सिंह, पुष्पराज सिंह, इंद्रेश चंडालिया, प्रेम पटीदार, रमेश राणा, प्रभात शर्मा, भवानी सिंह, शिवनाथ सिंह, प्रतिक सिंह सहित सभी समाज के व्यक्ति उपस्थित थे।

ओमप्रकाश अग्रवाल के निधन पर नेत्रदान

रतलाम। शहर के हाट रोड निवासी 84 वर्षीय ओमप्रकाश अग्रवाल झंडी वाले के असमायिक निधन होने पर विनोद अग्रवाल, राजेन्द्र अग्रवाल,ओमप्रकाश अग्रवाल ने उनके पुत्र रितेश अग्रवाल, रुपेश अग्रवाल एवं परिजनों को पिताजी के नेत्रदान करने की प्रेरणा दी नेत्रम संस्था के हेमन्त मूणत ने बताया कि परिजनों द्वारा नेत्रदान करने की स्विकृति मिलते ही संस्था के द्वारा मेडिकल कालेज की डीन अनीता मुथा को सूचित किया गया। जिनके निर्देश पर नेत्र विभाग के विभागाध्यक्ष रिशेन्द्र सिसोदिया के नेतृत्व में नर्सिंगऑफीसर विनोद कुशवाह,द्वारा ज्योति सिंह चौहान, दिनेश गोधा के सहयोग से नेत्रदान (कार्निया) लेने की प्रक्रिया को पूर्ण कर सफल नेत्रदान करवाया।

पेंशनर्स एसोसिएशन ने भदोरिया का स्वागत कर सम्मान किया

रतलाम। पिछले 14 वर्षो से लगातार रेलकर्मी एवं उनके परिवारों के क्षेत्र में सभी सुविधाओं को नगर सरकार के माध्यम से उपलब्ध कराने पर नगर निगम एम आई सी के चेयरमेन एवं वरिष्ठ पार्षद भगतसिंह भदोरिया का सेंट्रल गवर्नमेंट एवं रेलवे पेंशनर्स एसोसिएशन द्वारा सराहनीय एवं अनुकरणीय सेवाओं के लिए स्वागत कर सम्मान किया। एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रकाश व्यास, विजय प्रकाश दुबे, आई एल पुरोहित, रामखेलावन कुमार्यू, देवेंद्र वर्मा, अरुण वाडकर,यू एल जायसवाल, सलीम एहमद, सज्जनसिंह सोलंकी, रमेशसी, दुर्गा प्रसाद मिश्रा, रमेश शुक्ला, लाखन राव, महेंद्र माथुर आदि ने उपस्थित होकर भदौरिया का पुष्पहार से स्वागत किया।

नोटों से सजने लगा महालक्ष्मी मंदिर

धनतेरस से भाईदूज तक रहेगी सजावट ; मंदिर में नोट, आभूषण रखते हैं भक्त

रतलाम। माणकचौक स्थित महालक्ष्मी मंदिर नोटों से सजने लगा है। मंदिर में नोटों के बंधनवार बनाए जा रहे है। इस बार मंदिर की छत पर नोटों की लडियों को अलग तरह से सजाया जाएगा। सजावट के लिए नोट देने के लिए श्रद्धालु बड़ी संख्या में मंदिर आ रहे है।

रतलाम का महालक्ष्मी मंदिर आस्था का केंद्र है। शहर के अलावा बाहर से भी बड़ी संख्या में भक्त दर्शन के लिए यहां आते है। पिछले कई सालों से मंदिर को दीपावली पर्व पर रुपयों, आभूषणों सजाया जाता है। कई भक्त तो ऐसे है जो अपने घर में रखे आभूषणों की तिजोरी तक यहां पर रख कर जाते है। मंदिर में सजावट शुरू हो चुकी है। मंदिर में कई भक्त निशुल्क सेवा दे रहे है। कोई नोटों की लडिय़ा बना रहा है तो कोई नोट लेकर आने वाले श्रद्धालुओं की इंट्री कर रहा है। कुछ भक्त दिन से लेकर रात में सजावट में लगे है। धनतेरस के एक दिन पहले तक सजावट को लेकर नोट, आभूषण लिए जाएंगे। धनतेरस की प्रात- से सजावट के दर्शन भक्तों को होंगे। दीपावली पर्व के पांच दिन भाई दूज तक यह सजावट रहेगी।

यहां से आए भक्त

मंदिर की सजावट को लेकर रतलाम के अलावा उज्जैन, मंदसौर, नागदा, खंडवा, देवास, इंदौर समेत राजस्थान के कोटा से भी भक्त ने अपनी श्रद्धा अनुसार राशि जमा कराई है। आभूषण भी मंदिर में कई श्रद्धालु देकर गए है। मंदिर के गर्भ गृह व मंदिर के अंदर में नोटों की लडिय़ा बनाकर रखी है। मंदिर में नोटों की लडिय़ों को सजाया जाएगा। मंदिर शासकीय है। प्रशासन द्वारा पंडित संजय पुजारी को काफी समय से पूजा-पाठ के लिए नियुक्त कर रखा है। पुजारी द्वारा अपने बड़े भाई के निधन के बाद भी सूतक के दौरान मंदिर में आना व गर्भ गृह में जाने को लेकर श्रीमाली ब्राह्मण समाज ने आपत्ति जताई थी। समाजजनों को कहना था कि मां महालक्ष्मी श्रीमाली ब्राह्मण समाज की कुलदेवी है। मंदिर में समाज की सती माता का भी स्थान है। ऐसे में सूतक में जाना हिंदू धर्म में पाप है।

एमडी एवं स्मैक के साथ आरोपी गिरफ्तार

बाइक पर परवलिया से जावरा की ओर आ रहा था आरोपी.. मुखबिर सूचना पर पुलिस की कार्रवाई

रतलाम। एसपी अमित कुमार के निर्देश के बाद जिले में लगातार मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। जावरा पुलिस ने एक व्यक्ति को एमडी और स्मेक की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया है।

जावरा औद्योगिक क्षेत्र पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि एक मोटरसायकल से आजाद खां पिता बुगदाद शाह निवासी परवलिया अवैध मादक पदार्थ स्मैक व एमडी ड्रग्स छिपाकर कालूखेडा तरफ से भीमाखेडी फाटक जावरा होते हुए रेल्वे अंडर ब्रिज के पास से होते हुए जावरा चौपाटी तरफ जाने वाला है।

सूचना पर तत्काल टीम रवाना कर मुखबीर बताये स्थान भीमाखेडी फाटक से आगे ,रेल्वे ब्रिज के निचे नाकाबन्दी की गयी। कुछ देर बाद सूचना अनुसार एक मोटरसायकल आती दिखाई दी। घेराबंदी कर रोकने तथा चालक का नाम पता पूछने पर उसने अपना नाम आजाद खा पिता बुगदाद शाह उम्र 46 साल निवासी परवलिया थाना रिंगनोद का होना बताया। तलाशी लेने पर आजाद खा के कब्जे से अवैध मादक पदार्थ 10.60 ग्राम स्मैक एवं 22 ग्राम एमडी ड्रग्स बरामद की गई। जिसे मौके पर जप्ती की कार्यवाही कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। थाना औ.क्षेत्र.जावरा पर धारा 8/21,22 एन,डी.पी.एस एक्ट का पंजीबद्ध कर विवेचना मे लिया गया। विवेचना के दौरान आरोपी आजाद खां को न्यायालय पेश कर पुलिस रिमांड प्राप्त कर अवैध मादक पदार्थ के स्त्रोत एवं अन्य आरोपियों के सम्बन्ध मे पुछताछ की जा रही है।

सुरक्षा जवान एवं सुरक्षा सुपरवाइजर भर्ती कैंप आयोजित

रतलाम। भारतीय सुरक्षा दस्ता परिषद नई दिल्ली व भारत सरकार पसारा एक्ट 2005 के तहत व मध्य प्रदेश डे राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन जिला रतलाम के सहयोग से एवं एसआईएस के संयुक्त तत्वधान में रतलाम जिले के शिक्षित युवाओं को रोजगार प्रदान करने हेतु भर्ती कैंप का आयोजन किया जा रहा है जिसमें सिक्योरिटी सिक्योरिटी स्किल काउंसलिंग इंडिया लिमिटेड जवासा नीमच द्वारा जनपद पंचायत सैलाना में 21 अक्टूबर, जनपद पंचायत पिपलौदा में 22 अक्टूबर जनपद पंचायत बाजना में 23 अक्टूबर, जनपद पंचायत आलोट में 24 अक्टूबर, जनपद पंचायत रतलाम में 25 अक्टूबर तथा जनपद पंचायत जावरा में 21 अक्टूबर को भर्ती कैंप का आयोजन प्रात- 11-00 से शाम 4-00 बजे तक किया जाएगा।

भर्ती अधिकारी सुरेंद्र कुमार पोटर ने बताया कि इस हेतु अभ्यर्थी जिनकी योग्यता दसवीं पास उम्र 19 से 40 वर्ष, ऊंचाई 168 सेमी एवं सुरक्षा सुपरवाइजर 12वीं पास, कंप्यूटर कोर्स, एनसीसी उम्र 19 से 40 वर्ष, ऊंचाई 170 सेमी, वजन 56 किलो से 90 किलो, सीना 80 से 85 सेंटीमीटर आवेदन कर सकते हैं। उक्त तिथियों में दसवीं की छाया प्रति एक फोटो आधार कार्ड रजिस्ट्रेशन शुल्क 350 रूपए, चयनित उम्मीदवार के द्वारा कर क्यू आर कोड से ऑनलाइन जमा करना होगा। इसमें एक माह का प्रशिक्षण देकर 65 वर्ष की स्थाई नौकरी दी जाएगी। औद्योगिक क्षेत्र में जैसे दिल्ली का लाल किला, खजुराहो का मंदिर, सांची का स्तूप, चित्तौड़ का किला, एसबीआई बैंक, आईडीबीआई बैंक, भोपाल एम्स, इंदौर, पीथमपुर, दिल्ली एवं गुडग़ांव में 13000 से 18000 के मासिक वेतन पर रखा जाएगा। अन्य सुविधाएं पीएफ, पेंशन, ग्रेच्युटी, मेडिकल सुविधा, बीमा, प्रमोशन एवं दो बच्चों की पढ़ाई आईपीएस स्कूल देहरादून में करवा सकते हैं। अधिक जानकारी मो. न. 90798 50906 से प्राप्त की जा सकती है।

शिक्षा संस्कार अनुशासन से ही समाज में आयेगा बदलाव : चंडालिया

सैलाना/रतलाम। भागीरथ रूरल अवेयरनेस थिंकर्स फाउंडेशन सैलाना और सृष्टि समाज सेवा समिति के संयुक्त तत्वाधान में विभिन्न विषयों पर जागरूकता अभियान चलाया गया। संस्थाओ द्वारा प्री मैट्रिक बालक छात्रावास सैलाना में छात्रों के मध्य शिक्षा के महत्व को लेकर जानकारी दी गयी।

इस अवसर पर मुख्य अतिथि व्यापारी संघ अध्यक्ष इंद्रेश चंडालिया ने बच्चों को जीवन का महत्व व उसका जीवन पर प्रभाव के बारे समझाया अपने जीवन के अनुभव साझा किये। कहा कि शिक्षा संस्कार अनुशासन यह जब हम ग्रहण करेंगे तो इससे निश्चित ही समाज में बदलाव आएगा क्योंकि हम जैसा आचरण ग्रहण करेंगे वैसा ही हम समाज को भी प्रदान करेंगे और वैसा ही समाज बनेगा।

कार्यक्रम में छात्रावास अधीक्षक मनीष सांवलिया, समाजसेवी अखिलेश पांचाल कृष्णा कुमावत उपस्थित रहे। भागीरथ रूरल अवेयरनेस थिंकर्स फाउंडेशन के संस्थापक हरीश सिलावट ने बच्चों को शिक्षा पद्धति के विषय की जानकारी के साथ जीवन में नशे के दुष्प्रभाव की जानकारी दी एवं नशा नहीं करने और लोगो को भी इससे दूर रहने की सलाह की गयी। सृष्टि समाज सेवा समिति सदस्य काजल टाक ने संस्कार और महिलाओं के प्रति आदर सम्मान विषय पर अपने विचार रखे। पंकज टाक ने साइबर फ्रॉड से बचाव एवं फिजूलखर्जी से बचने के उपाय साझा किए एवं यामिनी राजावत ने दिनचर्या में योगा को शामिल करने और शिक्षा पर अपने सुझाव दिए।

इस अवसर पर सृष्टि संस्था के सतीश टाक, साक्षी मेहता उपस्थित रहे। कार्यक्रम समापन पर छात्रावास के बच्चों को नशामुक्ति की शपथ सृष्टि संस्था सदस्य यामिनी राजावत ने दिलाई।

पिता करता था नशे में छेड़छाड़

21 साल की बेटी ने की शिकायत, पुलिस ने केस दर्ज कर गिरफ्तार किया

रतलाम। 21 साल की बेटी ने अपने 50 साल के पिता पर छेड़छाड़ का आरोप लगाया है। बेटी की शिकायत पर पुलिस ने पिता के खिलाफ छेड़छाड़ का केस दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। मामला थाना औद्योगिक क्षेत्र का है। पीड़िता ने पुलिस को बताया कि उसका पिता नशे का आदी है और अक्सर नशे में होने पर उसके साथ दुर्व्यवहार करता था। उसकी मां नौकरी करती हैं और पिता बाजार में ठेला लगाता है। जब मां काम पर होती थीं, तो पिता उसके साथ छेड़छाड़ करता था। पिछले कुछ दिनों से ये घटनाक्रम लगातार जारी था। पीड़िता ने अपनी परेशानी अपनी मामी को बताई, जिसके बाद मामी ने पीड़िता की मां को इस बारे में सूचित किया। मां ने बेटी के साथ मिलकर थाने में शिकायत दर्ज कराई।

अकेले घर में रहने से डरती थी- पीड़िता की मां

पीड़िता की मां ने कहा काम से घर आने पर बेटी मेरे सामने ही रहती थी। अकेले घर में रहने से डरती थी, लेकिन मैं इस बात को समझ नहीं पाई। स्थिति ये थी कि रात को भी मेरी बेटी मेरे बिल्कुल पास ही सोना पसंद करती थी। पुलिस के अनुसार आरोपी नशे का आदी है।

चंद्रप्रभ चंद्र सागर जी म.सा. का महाशतावधान, हजारों लोग बने साक्षी

रतलाम। चतुर्मासिक प्रवचन के दौरान रतलाम में रविवार को महाशतावधान का अनूठा आयोजन हुआ, जो किसी चमत्कार से कम नहीं था। सगोद रोड स्थित चंपा विहार में हजारों लोग जिन्होंने इसे देखा वह अचंभित रह गए।

महाशतावधान का यह अद्भुत कार्य आचार्य श्री नयचंद्र सागर सुरीश्वरजी म.सा. एवं गणिवर्य डॉ. अजीत चंद्र सागर जी म.सा. की निश्रा में मुनिराज चंद्रप्रभ चंद्र सागर जी म.सा. द्वारा किया गया। जिसमें उनके द्वारा आत्मा के चमत्कार को सबके सम्मुख प्रकट किया गया।

सामान्य तौर पर साइंस या न्यूरो साइंस चमत्कार को नहीं मानते है लेकिन इंडियन कल्चर में यह बात गलत साबित हो रही है। क्योकि यहां एक जैन मुनि द्वारा पांच या दस नहीं बल्कि 200 चीजों को क्रमानुसार याद किया जाकर उसी क्रम में सारी चीजें बताई गई। इतना ही नहीं यहां मुनिराज से सवाल करने वाले रतलाम ही नहीं बल्कि देश के अलग-अलग हिस्सों से आए गणमान्यजन रहे। जिनके द्वारा जिस क्रम में सवाल किए गए उसी क्रम में मुनिराज ने सटीक जवाब दिए, जिसे सुनकर पूरा परिसर तालिया की गडग़ाहट से गूंज उठा। 4 घंटे से अधिक समय तक चले कार्यक्रम के दौरान मुनिराज के द्वारा पहले क्रमानुसार एक से 200 प्रश्नों के जवाब बताएं और फिर गणमान्यजन द्वारा पूछे गए सवालों का क्रम अनुसार बताकर उसका जवाब दिया। इतना ही नहीं मौके पर मौजूद लोगों के द्वारा प्रश्नोत्तरी के दौरान बीच में से भी प्रश्न पूछे गए जिनका

उसी क्रम में जवाब दिया गया। इसमें गणित, सामान्य ज्ञान, विज्ञान, संयुक्त चित्रावली, धर्म, वस्तुओं की जानकारी, योग सहित अन्य कई तरह के प्रश्न शामिल थे। आचार्य श्री नयचंद्र सागर सूरीश्वरजी म. सा. ने कहा कि 3 घंटे 20 मिनट तक आपने बोला है। तब से मुनिराज यही बैठे है। अब जवाब की बारी है। दिमाग में कितना पावर है, इसका पता चलेगा। सभी आत्मा की शक्ति समान है लेकिन हम कितनी शक्ति का उपयोग करते है। आपके बच्चे भी यह सब कर सकते है। बच्चों के विकास में सहयोग करें। गणिवर्य डॉ अजीत चंद्र सागर जी म.सा. ने कहा कि ये साधना आज तक हजारों लोगों ने सीखी है, आने वाले समय में 5 लाख लोग इसे सीखेंगे। महाशतावधान आपने देखा है, आप इसके गवाह बने है। आपकी प्रेरणा से आप इसे हजारों लोगों तक पहुंचा सकते हो। याददाश्त बढ़ाना है तो आप सरस्वती साधना कीजिए। यह प्राचीन काल की विद्या है। यह विश्व में हर विद्यार्थी तक पहुंचे यह प्रयत्न करना है।

यह रहे उपस्थित महाशतावधान कार्यक्रम का आरंभ दीप प्रज्जवलित कर किया गया। इसमें मुख्य रूप से मुंबई से चीफ जस्टिस श्री कमलकिशोर जी तातेड, राजस्थान से चीफ जस्टिस श्री विनित जी कोठारी, एडिशनल कस्टम कमिश्नर मुंबई प्रियेश शाह, धीरज हॉस्पिटल बड़ोदा मनसुख भाई, मुम्बई से डॉ. चंपालाल, शिखरचंद जैन, रतलाम के समस्त जैन श्री संघ के अध्यक्ष एवं पदाधिकारी, समस्त जैन सोशल ग्रुप के पदाधिकारी, जीतो के पदाधिकारी सहित गणमान्यजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के लाभार्थी शांताकुमारी इंदरमल जैन वकील सा पटवा परिवार, साधर्मिक वात्सल्य के लाभार्थी, श्री देवसुर तपागच्छ चारथुई जैन श्री संघ एवं श्री ऋषभ देवजी केशरीमल जी जैन श्वेतांबर पेढ़ी रतलाम रहा। अंत में लाभार्थी परिवार का बहुमान किया गया।

शो भावनाओं की गहराइयों को छूता है

शो मैं दिल तुम धड़कन में अभिनेता जोहेब अशरफ सिद्दीकी ने हाल ही में शो के शीर्षक और इससे जुड़े एक प्रसिद्ध गाने के बारे में दिलचस्प खुलासा किया है।जोहेब कहते हैं, मैं किशोर कुमार का बहुत बड़ा प्रशंसक हूं! जब मैंने शो साइन किया और इसका फाइनल नाम मैं दिल तुम धड़कन सुना, तो मुझे तुरंत किशोर दा का वो अमर गीत याद आ गया - 'मैं प्यासा तुम सावन... मैं दिल तुम मेरी धड़कन।' उस वक्त मैंने तुरंत गाना गुनगुनाना शुरू कर दिया। मेरे लिए यह नाम सिर्फ एक टाइटल नहीं है और जब ये गाना शो के बैकग्राउंड में बजता है, तो यह गीत शो के असली भाव को पूरी तरह से दर्शाता है। ये गाना उन प्रेरणादायक गीतों में से एक है जो सेट पर जाते समय मेरी प्लेलिस्ट में हमेशा रहता है। खास बात ये है कि इसके बोल शो की मुख्य भावनाओं और रिश्तों को दर्शाते हैं - जैसे एक माँ-बेटे और पिता-बेटे के बीच का रिश्ता। मुझे लगता है कि यह शो भी बिलकुल किशोर कुमार के गीतों की तरह भावनाओं की गहराइयों को छूता है ।

कई टीवी शो अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर जा रहे हैं

प्रसिद्ध कलात्मक निर्देशक और कोरियोग्राफर सुमित खेतन का कहना है कि टीवी पिछले कुछ सालों में कई बदलावों से गुजरा है और यह खास तौर पर ओटीटी बूम के बाद और भी प्रमुख हो गया है। , टेलीविजन उद्योग में कई बदलाव हुए हैं, खास तौर पर डिजिटल प्लेटफॉर्म के आगमन के साथ। एक बड़ा बदलाव यह है कि कई टीवी शो अब ऑनलाइन प्लेटफॉर्म या ओटीटी पर जा रहे हैं। जबकि लोग अभी भी पारंपरिक टीवी देखते हैं, बढ़ती संख्या में लोग ऑनलाइन सामग्री का उपभोग करना पसंद कर रहे हैं। एक और महत्वपूर्ण बदलाव शो के प्रारूप में है। लोग अब लंबे, खींचे हुए शो में उतनी दिलचस्पी नहीं रखते हैं। इसके कारण दर्शकों की दिलचस्पी बनाए रखने के लिए डेली सोप में छोटे एपिसोड होते हैं, जो अक्सर कुछ मिनट लंबे होते हैं। अब बहुत कम शो हैं जो पहले की तरह पांच या छह साल तक चलते हैं, ।

पेचीदगियां को उजागर करती है क्रिस्पी रिश्ते

जियो सिनेमा पर फीचर फिल्म क्रिस्पी रिश्ते एक शानदार अनुभव प्रदान करती है। जगत सिंह द्वारा लिखित और निर्देशित एवं सागर श्रीवास्तव द्वारा निर्मित क्रिस्पी रिश्ते के लिए एक प्रेस कॉन्फ्रेंस हाल ही में मुंबई में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में न केवल निर्माता और निर्देशक बल्कि फिल्म की मुख्य अभिनेत्री दिलजोत, मनमीत कौर और बृजेंद्र काला के साथ संगीतकार और गायक भी मौजूद थे। निर्देशन के अलावा, जगत सिंह ने फिल्म में मुख्य भूमिका भी निभाई है। क्रिस्पी रिश्ते की खास बात इसका प्रभावशाली संगीत है, जिसमें बॉलीवुड की कुछ सबसे प्रसिद्ध आवाजों द्वारा गाए गए 15 गाने हैं।

आयुष्मती गीता मैट्रिक पास' का ग्रैंड प्रीमियर

महिला शिक्षा और सशक्तिकरण पर आधारित फिल्म आयुष्मती गीता मैट्रिक पास का ग्रैंड प्रीमियर अंधेरी स्थित आईनॉक्स पीवीआर में संपन्न हुआ। इस दौरान फिल्म की पूरी स्टारकास्ट के साथ सिनेमा और टीवी जगत की जानी मानी हस्तियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और फिल्म देखने के बाद काफी सराहा भी की।निर्देशक प्रदीप खैरवार, फिल्म में लीड रोल निभाने वाली काशिका कपूर, अनुज सैनी, प्रणय दीक्षित, अतुल श्रीवास्तव और अन्य कलाकारों ने मीडिया से बात की और फिल्म के बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने की बात कही।गीता के रोल से अपना डेब्यू करने वाली कशिका ने कहा आयुष्मती गीता मैट्रिक पास एक फॅमिली एनटैंनर है जिसमे एक पिता और उसकी बेटी के खूबसूरत रिश्ते को दर्शाया गया है जिसमे वो ठान लेता है कि वो तब तक अपनी बेटी का विवाह नहीं करेगा जब तक उसकी बेटी मैट्रिक पास नहीं कर लेती।

वरुण , वाणी ने अनुष्का रंजन की पहल बेटी का समर्थन करने के लिए हाथ मिलाया

एकजुटता के एक शक्तिशाली प्रदर्शन में, वरुण धवन और वाणी कपूर सहित कई बॉलीवुड सितारों ने अभिनेत्री और परोपकारी अनुष्का रंजन की पहल, बेटी, के लिए अपना समर्थन देने का वादा किया है, जो कई वर्षों से बालिका सशक्तिकरण के लिए समर्पित है। अनुष्का का फाउंडेशन युवा लड़कियों को शिक्षा, स्वास्थ्य देखभाल और समान अवसर प्रदान करने पर केंद्रित है, और सेलिब्रिटी समर्थन की यह हालिया लहर उनके चल रहे प्रयासों के प्रभाव को और बढ़ाने के लिए तैयार है। अनुष्का रंजन ने अपने उद्योग के साथियों से मिले समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया, और इस बात पर जोर दिया कि लड़कियों को सशक्त बनाना एक ऐसा कारण है जिसे दूर-दूर तक दोहराया जाना चाहिए।

बर्फ से ढंकी पहाड़ियों में घूम रही प्रियंका चोपड़ा

अंतर्राष्ट्रीय एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा जोनस ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें वह आल्प्स की बर्फ से ढकी पहाड़ियों में घूम रही हैं। एक्ट्रेस ने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी सेक्शन पर वीडियो साझा किया है, जिसमें वह एक लंबी जैकेट के साथ नीले रंग की बॉडी हगिंग ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। साझा किए गए वीडियो के साथ एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा 'क्रेन्स मोंटाना, आल्प्स, स्विट्जरलैंड' में अपने बॉलीवुड सपने को जी रही हूं'। वीडियो क्लिप में प्रियंका ने 'चांदनी ओ मेरी चांदनी' गाना भी जोड़ा है। यह गाना फिल्म चांदनी का है, जो साल 1989 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में श्रीदेवी और ऋषि कपूर मुख्य भूमिका में थे। इसके अलावा प्रियंका ने स्विस आल्प्स में अपने विज्ञापन शूट की कई तस्वीरें भी शेयर की हैं। पहली तस्वीर में वह नीले रंग की बॉडी हगिंग ड्रेस पहने नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में वह अपनी खिड़की के पास बैठकर बर्फीले नजारे का आनंद ले रही हैं। एक और वीडियो है, जिसमें वह अपने विज्ञापन की शूटिंग करते हुए बर्फीले तूफानों के बीच नजर आ रही हैं।

पारूल ने चलाई दिल पर छुरियां

पारुल यादव की सुंदरता, आकर्षण, करिश्मा और चुंबकीय अपील पिछले कुछ वर्षों में उनके सबसे बड़े आकर्षण रहे हैं। अभिनेत्री ने हमेशा अपने अनूठे स्टाइल के रुझानों को बनाने पर जोर दिया है। उनका आकर्षक व्यक्तित्व और आकर्षक आभा ऐसी है कि वह स्टाइलिश और हाई-चिक पश्चिमी परिधानों में हो या उत्तम दर्जे के और सुरुचिपूर्ण जातीय परिधानों में, वह एक ही समय में कई दिलों को छुरा घोंपने का काम करती है। अपने नवीनतम फ़ोटोशूट में अभिनेत्री को एक शानदार, कस्टम-मेड मल्टीलेयर प्रिंटेड लहंगा पहने देखा गया जो उनके लिए तैयार किया गया लगता है।

गुलकी जोशी वागले की दुनिया में

शो मैडम सर की मशहूर पुलिस अधिकारी हसीना मलिक के रूप में गुलकी जोशी की एंट्री होने वाली है। हसीना मलिक के प्रशंसक लंबे समय से उनकी निडर भावना, बुद्धिमत्ता और न्याय के प्रति अटूट प्रतिबद्धता को पसंद करते रहे हैं। बहुप्रतीक्षित कदम के तौर पर गुलकी का किरदार एक दिलों को झकझोर देने वाले मामले को संभालने के लिए लौटा है, जिसमें वह एक बार फिर अपने खास आकर्षण और दृढ़ संकल्प को पर्दे पर लेकर आई हैं। आगामी ट्रैक में सखी (चिन्मयी साल्वी) की दोस्त प्रियंका की आबरू पर हमला होता है और हसीना इस गंभीर मामले की जांच करती है। जब वागले परिवार और साई दर्शन सोसायटी के सदस्य एकजुट होते हैं, तो हसीना मलिक सुनिश्चित करती है कि प्रियंका को इंसाफ मिले।

जाट, का टाइटल और पोस्टर हुआ जारी,

मुक्काबाज जैसी फिल्मों में अपने प्रभावशाली अभिनय के लिए मशहूर विनीत कुमार सिंह, आगामी पैन इंडिया फिल्म में अभिनेता सनी देओल के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। इस फिल्म का अस्थायी शीर्षक एसडीजीएम था, जिसे अब आधिकारिक तौर पर जाट नाम कर दिया गया है। सनी देओल के जन्मदिन के खास मौके पर इस टाइटल का अनावरण किया गया। विनीत कुमार सिंह ने अपने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, इंट्रोड्यूसिंग द मैन विद ए नेशनल परमिट फ़ॉर मैसिव एक्शन सन्नी देओल इन एंड एज जाट, SDGM is JAAT. हैप्पी बर्थडे एक्शन सुपरस्टार।

लव इज़ लव का ट्रेलर रिलीज

प्रतिभाशाली अभिनेत्रियाँ ज़रीना वहाब, बिदिता बाग और किटू गिडवानी लव इज़ लव में एक साथ आईं, जो भारत की पहली LGBTQ फ़िल्म है जिसे अंतर्राष्ट्रीय OTT रिलीज़ मिली है। कपिल कौस्तुभ शर्मा द्वारा निर्देशित, यह फ़िल्म बॉलीवुड में एक मील का पत्थर है, जिसने प्रमुख ग्लोबल LGBTQ स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। यह फ़िल्म डन्नो बाई ना जाने क्यों की विरासत को आगे बढ़ाती है, जिसने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसा प्राप्त की, और इसका उद्देश्य प्रेम को उसके सभी रूपों में चित्रित करके नई ज़मीन को तोड़ना है। लव इज़ लव में किटू गिडवानी, ज़रीना वहाब, मोना अम्बेगांवकर, बिदिता बाग, कपिल कौस्तुभ शर्मा, युवराज पाराशर और गेहना वशिष्ठ जैसे शानदार कलाकार हैं।

सच्ची दोस्ती को देखना दुर्लभ है

शो पुष्पा इम्पॉसिबल में पुष्पा के कट्टर दुश्मन वीरेन (हेमंत खेर) ने उसकी जिंदगी में दोबारा प्रवेश किया। कानपुर में पटोला बुनाई प्रदर्शनी के लिए शॉर्टलिस्ट होने के ठीक बाद वह नई मुसीबतें लेकर आया है। इस पूरे सफर में पुष्पा के वफादार दोस्त जुगल (अंशुल त्रिवेदी) ने लगातार उनका साथ दिया। अंशुल त्रिवेदी कहते हैं, मुख्य धारा के टेलीविजन पर सच्ची दोस्ती को देखना दुर्लभ है, और यही बात पुष्पा इम्पॉसिबल को इतना खास बनाती है इस सफर का हिस्सा बनना वाकई संतुष्टि देने वाला रहा। मैं क्या महसूस करता हूं, इसे इन्हीं शब्दों से समझा सकता हूं। मैं सोनी सब के पुष्पा इम्पॉसिबल में इसके शुरू होने के लगभग एक साल बाद शामिल हुआ। फिर भी दर्शकों ने मेरे किरदार जुगल को खुले दिल से अपनाया। अब तक जुगल हमेशा से पुष्पा के जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। वह हमेशा उसके लिए मौजूद रहेगा। वह हमेशा उसके लिए एक मजबूत सहारा और सच्चा दोस्त रहा है, जो हमेशा उसके साथ रहा है। आने वाले एपिसोड में जुगल पुष्पा को आने वाली चुनौतियों का सामना करने में मदद करता रहेगा। जब भी उसे जरूरत होगी उसे ताकत और मार्गदर्शन प्रदान करेगा। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ेगी, उसके जीवन में उसकी भूमिका और मजबूत होती जाएगी।

फतेह के सेट से विलप ऑनलाइन हुई लीक

सोनू सूद की साइबर क्राइम एक्शन थ्रिलर 'फतेह' के सेट से एक बिहाइंड-द-सीन्स क्लिप हाल ही में ऑनलाइन लीक हुई और फ़ौरन वायरल हो गई। फुटेज में सूद एक सीन की शूटिंग करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जो उनके और उनके को-स्टार्स के बीच एक दिलचस्प बातचीत का लग रहा है। लीक हुई क्लिप ने फैंस की उत्सुकता को बढ़ा दिया है क्योंकि वे 10 जनवरी, 2025 को फिल्म की रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। फतेह, जो सूद की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म है, उसमें वे जैकलीन फर्नांडीज और नसीरुद्दीन शाह के साथ मुख्य भूमिका में हैं, जो एक हैकर का रोल निभाते नज़र आएंगे। फिल्म में साइबर क्राइम के इर्द-गिर्द घूमने वाली दमदार एक्शन सीक्वेंस और एक मनोरंजक कहानी दिखाई जाने की उम्मीद है।

अहम् ब्रह्मास्मि

रोज की तरह मंगू माथे पर त्रिपुंड लगाए भारतीय भेषभूषा में प्रकट हो जिज्ञासु की तरह बोला, आदि शंकराचार्य ने अपने ब्रह्मसूत्र में अहम् ब्रह्मास्मि लिखा है। इसका क्या आशय है?

यजुर्वेद का महावाक्य अहं ब्रह्मास्मि उस व्यक्ति द्वारा उच्चारित किया जाता है जिसका अज्ञान ज्ञान की अग्नि में नष्ट हो जाता है। आदि शंकराचार्य तो खुद शिव के अवतार थे। शिव कृपा से उन्नीसवीं सदी में सन् 1863 ईसवी में जन्मे स्वामी विवेकानंद की मान्यता में 'अहं ब्रह्मास्मि' की मौलिक धारणा संपूर्ण मानव जाति को अखंडता का आधार प्रदान करती है और इसी ऋषिसूत्र में समस्त समस्याओं का समाधान निहित है।

क्या राजनैतिक समाधान भी इस सूत्र से सम्भव है।

विवेकानंद का मूल नाम नरेंद्र था। हमारे देश के प्रधान भी नरेंद्र हैं, जिन्होंने अपने युवाकाल में स्वामी जी के सिद्धांतों को अपनाते हुए झोला लेकर प्रचारक के रूप में भारत भ्रमण करते हुए स्वामी जी की समाधि स्थल व कन्याकुमारी स्मारक? पहुंचकर जो आध्यात्मिक ऊर्जा स्मारक से प्रस्फुटित जैव शक्ति के साथ लेकर राजनीतिक क्षेत्र में पदार्पण किया, उसी का परिणाम है कभी न हल होने वाली राष्टीय समस्याओं का चुटकियों में समाधान ढूंढ़ निकालना।

मास्टर जी! समस्याओं से ग्रसित बहुसंख्यक निम्न और मध्यम वर्ग आज भी पीड़ित है। जीवन जीने के लिए अति अनिवार्य आवश्यकताएं अध्यादेश व संविधान की धाराओं में संशोधन परिवर्धन करने के उपरांत भी यथावत हैं; आपसे समाधानकारक मार्गदर्शन चाहिए। वाह मंगू! आज तो अपनी पार्टी के गाइडलाइन से हटकर प्रश्न करने पर आमादा है, जनहित की चिंता करने के लिए साधुवाद मंगू सिंह पटेल! दलगत विचारधारा अस्तित्व के इर्द-गिर्द घूमती है? परंतु नागरिक होने के नाते जन साधारण की समस्याओं के समाधान हेतु हर भारतीय नागरिक का दायित्व है कि वह आवाज बुलंद करे यहां तक कि आंदोलन भी। समृद्ध राष्ट तभी कहलाएगा जब समाज समृद्ध हो, सरकार का? दायित्व है सामाजिक समस्याओं के निवारण का। स्वामी विवेकानंद का सूत्र उठो जागो और तब तक मत रुको जब तक तुम्हें तुम्हारे लक्ष्य की प्राप्ति न हो जाए। हमारा कर्तव्य है कि हर संघर्ष करने वाले को प्रोत्सा हित करना ताकि वह सपने को सच कर सके और उसे जी सके। स्वामी जी सिद्धांतों के अनुयायी देश के प्रधान ने भी अपना एक सूत्र स्थापित किया है -साथ, विकास, विश्वास, प्रयास, जिसको प्रचारित करने के लिए हवा में घूम रहे हैं, मतलब स्पष्ट है कि सूत्र के चारों तत्वों का आम नागरिक की पीड़ा से कोई नाता नहीं, यदि होता तो बेगार, बेरोजगारी, मंहगाई, लूटपाट, अत्याचार, अनाचार के साथ बेतहाशा शोषण से मुक्त खुशहाल भारत होता। यदि उनका सिद्धांत धरातल पर खरा उतरता तो सब्सिडी, फ्री राशन, फ्री आवास, फ्री इलाज जैसी योजनाओं में ताकत फूंकने की क्या जरूरत होती स्वामी जी ने देश का दर्द समझा उसके निदान के लिए पश्चिम में अलख जगाया। हमारे प्रधान भी विश्व भ्रमण पर हैं जनता की गाढ़ी कमाई के बेतहाशा दुरुपयोग के साथ मंगू सिंह पटेल!.लच्छेदार नमक मिर्च मिलाकर विपक्ष को कोसने की वक्तृत्व कला से जन साधारण का पेट नहीं भरता। सन् 2040 का लक्ष्य साधना में जनता सतत सहयोगी रही तो न रहेगा गरीब का अस्तित्व और न उसका देश क्योंकि आस्तीन के सांपों की अनदेखी ही विकास की जगह बनेगी विनाश का कारण।

अहम् ब्रह्मास्मि उद्घोष तो शाश्वत और सत्य है
बच्चू लाल परमानंद दीक्षित

दबोहा भिंड

जब सीएम शिंदे को रास्ते में महिलाओं ने रोक लिया और एक टक देखने लगीं

सतारा। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे शनिवार को अपने पैतृक ग्राम सतारा जिले के डेरे गांव पहुंचे। जहां ग्रामीण महिलाओं ने उनका काफिला रोक लिया। काफिला रुकने पर सीएम शिंदे ने महिलाओं से बातचीत की। शिंदे ने पोस्ट में लिखा- मेरी मिट्टी, मेरे लोग...मैं राजनीति की हलचल से दूर आराम करने अपने पैतृक गांव सतारा जिले के डेरे गांव आया था। गांव से निकलते वक्त कुछ महिलाओं ने मेरे कारवां को रोक लिया था। उन्होंने लिखा- मेरे ही गांव में रहने वाली ये महिलाएं मेरी मां की बहुत करीबी थीं, लेकिन उन लोगों को एक पल के लिए संदेह हुआ कि मैं उन्हें पहचान पाऊंगा या नहीं। मैंने उनसे बातचीत करते हुए कहा कि मैं सभी को जानता हूं। एक पल भी सोचे बिना, ये मेरे पास आईं और मुझसे पूछा। मैंने भी उनका सम्मान करते हुए उनके पैरों पर गिरकर आशीर्वाद लिया और पूछा कि उन्हें मुख्यमंत्री माझी लड़की बहिन योजना का पैसा मिल रहा है या नहीं। इस पर सभी ने हां में सिर हिलाया और हाथों में खाने की थाली लेकर प्यार से मेरी ओर इशारा किया। सीएम शिंदे ने एक्स पर आगे लिखा कि उनके कांपते गर्म हाथों ने मुझे भरपूर आशीर्वाद दिया और आग्रह किया कि प्रदेश में एक बार फिर हमारी सरकार बने। बता दें कि महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव होना है। 288 विधानसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में 20 नवंबर को मतदान होगा। वहीं नतीजे 23 नवंबर को आएंगे।

कार्टून कोना.....

म.प्र.में भाजपा का सदस्यता अभियान, ठेकेदारों ने फ़र्ज़ी सदस्य बनाने का रिकॉर्ड बनाया

पैसों के दम पर फ़र्ज़ी मिस्ड कॉल सदस्यता अभियान का भंडा फूट गया

फ़मतदाता सूची के हज़ारों नाम निकालकर फ़र्ज़ी और बोगस भाजपा सदस्य बना दिए

इंदौर। मध्यप्रदेश में भाजपा द्वारा सदस्यता अभियान में जमकर फर्जीवाड़ा किया गया हैं।पैसों के दम पर राजनीति करने वाले नेताओं ने विभिन्न ठेकेदारों (कंपनियों) को मिस्ड कॉल से भाजपा का सदस्य बनाने का ठेका देकर बड़े बड़े फ़र्ज़ी दावे सदस्यता को लेकर किए जा रहें हैं।जबकि भाजपा का आम कार्यकर्ता भी विधिवत भाजपा का सदस्य नहीं बनाया गया हैं।

कांग्रेस महासचिव राकेश सिंह यादव ने आरोप लगाया हैं की भाजपा अध्यक्ष के नेतृत्व में बोगस सदस्यता अभियान का विश्व रिकॉर्ड बनाया जा रहा है।फर्जीवाड़ा सदस्यता अभियान में मनगढ़ंत आँकड़े मीडिया के समक्ष प्रस्तुत करके अपनी पीठ खुद थपथपा रहें हैं।

मतदाता सूची में दर्ज नामों का उपयोग करके फर्जी मिस्ड कॉल के ज़रिये बोगस सदस्यता अभियान यह सिद्ध करता हैं की भाजपा अब कार्यकर्ताओं की जगह पूँजीपतियों की पार्टी बन गई हैं।भाजपा में अनेक वरिष्ठ नेताओं ने इस तरह के फर्जी कारनामे का विरोध किया हैं।

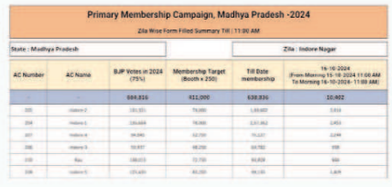

Primary Membership Campaign, Madhya Pradesh -2024

Zila Wise Form Filled Summary Till | 11:00 AM

State : Madhya Pradesh | Zila : Indore Nagar

AC Number	AC Name	BJP Votes in 2024 (75%)	Membership Target (Booth x 250)	Till Date membership	16-10-2024 (From Morning 16-10-2024 11:00 AM To Morning 16-10-2024- 11:00 AM)
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]
[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]	[illegible]

मध्यप्रदेश में भाजपा को सदस्यता अभियान में देश में नम्बर वन बताने वाले भाजपा नेताओं का तकिया कलाम बन गया हैं,प्रत्येक काम में मध्यप्रदेश को नम्बर वन बताना।

जबकि हक़ीक़त एक दम विपरीत हैं।भाजपा के दावे में रत्तीभर भी सच्चाई हैं तो बनाये गये सदस्यों की सूची नाम ,फ़ोन नम्बर,बूथ नम्बर,पते सहित अपनी वेबसाइट पर जारी करके सिद्ध करें की जो दावा सदस्य बनाने का किया जा रहा है वह सही हैं।

दो मुखौटे वाली भाजपा हमेशा सच का सामना करने से घबराती हैं।इसलिए झूठ और भ्रम फैलाने की राजनीति करना ही भाजपा की पहचान हैं।भाजपा द्वारा इंदौर विधानसभाओं में सदस्यत बनाने के दावे पूर्णतः झूठे और भ्रामक बेबुनियाद हैं।

शांत मन से क्रोध और तनाव पर नियंत्रण रखना सहज : जनरल गजेन्द्र जोशी

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी विवि द्वारा राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन

इंदौर, (सुनील वर्मा)। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के सुरक्षा सेवा प्रभाग के द्वारा न्यू पलासिया स्थित ज्ञान शिखर ओम शांति भवन में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। विषय था- ÷स्व सशक्तिकरण से राष्ट्र सशक्तिकरण। जिसमें इन्फैंट्री स्कूल के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल गजेंद्र जोशी ने कहा कि जिस प्रकार सुरक्षा सेवाओं में जवानों के शारीरिक प्रशिक्षण, तथा अस्त्र-शस्त्र हथियारों की शिक्षा दी जाती है इसी प्रकार मानसिक स्वास्थ्य का भी प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए जिससे जवानों को मन को शांत रखने की कला सीखने को मिले । शांत मन से क्रोध व तनाव पर नियंत्रण अच्छी तरह से रख सकते हैं। इस अवसर पर आर ए पी टी सी के स्पेशल डी.जी. वरुण कपूर ने कहा कि सुरक्षा के कार्य में जुड़े अधिकारी और जनता की जागरूकता जब मिल जाती है, तब ही सही सुरक्षा मिलती है और एक अच्छे राष्ट्र का निर्माण होता है । एक अच्छे राष्ट्र की पहचान वहां की सुरक्षा व्यवस्था ही होती है। स्व सशक्तिकरण के लिए आत्म सुरक्षा आवश्यक है। जीवन में अनुशासन, आदर और ईमानदारी ही आत्म सुरक्षा के सबसे बड़े साधन है। अपने विचार रखते हुए सेवा निवृत्त वॉइस एडमिरल एस एन घोरमड़े ने बताया कि जैसे देश के बाहरी दुश्मनों पर विजय पाने के लिए सुरक्षा तंत्र हमेशा चौकन्ना रहता है, इसी तरह मनुष्य अपने मन को भी आत्म अनुशासन के द्वारा सशक्त कर स्वयं के आंतरिक दुश्मन तनाव, भय,चिंता, अशांति पर विजय प्राप्त कर सकता है। मेडिटेशन या ध्यान मन को मजबूत बनाता है और हमें सदा खुश रहना सिखाता है। कार्य स्थल पर अटेंशन रहे तो मन में टेंशन नहीं आएगा। इंदौर जोन की क्षेत्रीय निर्देशिका ब्रह्माकुमारी हेमलता दीदी* ने आशीर्वचन देते हुए कहा कि व्यक्ति राष्ट्र की इकाई है। राष्ट्र को सशक्त बनाने के लिए हमारे सुरक्षा कर्मियों को शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक सब प्रकार से सशक्त बनाना होगा। हमारे वीर जवान जो घर से दूर रहकर घर परिवार की सभी परिस्थितियों को जानते हुए भी देश की सेवा में जुटे हैं । उनके सामने भी नित नई चुनौतियां होती है, इन सब के बीच मन को स्थिर रखने के लिए राजयोग मेडिटेशन कारगर उपाय है। कार्यक्रम में कॉरपोरेट ट्रेनर और मोटिवेशनल स्पीकर मुंबई के डॉक्टर ई व्ही स्वामीनाथन ने कहा कि गुस्सा करने से तनाव बढ़ता है, इसलिए सदा खुश रहने का अभ्यास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सुरक्षा सेवा में लगे कर्मियों को त्रासदी के समय बचाव दल के रूप में भेजने से पूर्व कर्मियों को त्रासदी के अनुसार जरूरी उपकरण, औजार, ड्रेस हेलमेट, जूते आदि युक्त होकर निकलना होता है, ऐसे ही मन को भी रोज कुछ क्षण एकाग्र कर सकारात्मक विचारों से सशक्त करना जरूरी है। उन्होंने कहा कि कार्य क्षेत्र में जो भूमिका हम चुनौतियों से निपटने में निभाते हैं, लेकिन घर पर जाते ही मुस्कुराहट और खुशी के साथ एक पिता, भाई या दोस्त की निभानी चाहिए उसके लिए खुद को जानना जरूरी है कि मैं एक असीम ऊर्जा का स्रोत चेतन आत्मा हू तथा परमात्मा मेरे परम रक्षक है। इस अवसर पर ब्रह्माकुमारीज के सुरक्षा सेवा प्रभाव के राष्ट्रीय अध्यक्ष स्क्वाड्रन लीडर अशोक गाबा ने अपनी शुभकामनाएं प्रेषित की। साथ ही नई दिल्ली से पधारे रक्षा अनुसंधान एवं विकास मंत्रालय के अतिरिक्त निदेशक कैप्टन शिव सिंह ने ब्रह्माकुमारीज के सुरक्षा सेवा प्रभाग द्वारा पूरे विश्व में की जा रही सेवाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए प्रेणादाई वीडियो के माध्यम से सेवाओं की कुछ झलकियां दिखाई। मुंबई से पधारी वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका ब्रह्माकुमारी दीपा दीदी ने स्व सशक्तिकरण के लिए राजयोग की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए सभी को राजयोग मेडीटेशन की गहन अनुभूति कराई। शक्ति निकेतन की कन्याओं ने स्वागत नृत्य की सुंदर प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन कर किया गया साथ ही अतिथियों का बैच गुलदस्ते एवं दुपट्टे के द्वारा सम्मान किया गया।

कार्यक्रम का कुशल संचालन डॉक्टर शिल्पा देसाई ने किया तथा दिल्ली से पधारी ब्रह्माकुमारी सारिका बहन ने सभी का आभार माना। कार्यक्रम में आर ए पी टी सी , बीएसएफ, एस टी सी, सी आई एस एफ, स्टेट तथा स्थानीय पुलिस बल तथा सेवानिवृत कई पुलिस अधिकारियों ने भाग लिया। ब्रह्माकुमारी अनिता दीदी ने बताया कि सुरक्षा सेवा प्रभाग के अंतर्गत 21 से 24 अक्टूबर तक महू, बड़वाह तथा इंदौर के अनेक सुरक्षा संगठनों में स्व सशक्तिकरण के अनेक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

नई कार्यकारिणी को लेकर जीतू पटवारी को कांग्रेस आलाकमान से मंजूरी मिली

मध्यप्रदेश कांग्रेस प्रदेश कार्यकारिणी की घोषणा करने जा रही है। नई कार्यकारिणी को लेकर प्रदेश ब्ष्ट्र चीफ जीतू पटवारी को कांग्रेस आलाकमान से मंजूरी मिल चुकी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार नई कार्यसमिति में अनुभवी नेताओं के अलावा, युवा और सक्रिय कार्यकर्ताओं को ज्यादा अवसर दिए जा सकते हैं। नई प्रदेश कार्यसमिति में जीतू पटवारी ने प्रदेश के सभी प्रमुख कांग्रेसी नेताओं के संबंध में जो नाम दिल्ली भेजे थे, उन पर आलाकमान से ह झंडी मिल गई है रविवार को आने वाली कार्यसमिति को लेकर प्रदेश कांग्रेस संगठन में भी उत्सुकता बनी हुई है। बताया रहा है कि नई प्रदेश कार्यसमिति में उपाध्यक्ष, महासचिव, सचिव के अलावा कुछ जिला अध्यक्षों के नाम की भी घोषणा हो सकती है।

पीसीसी की नई टीम में खासी कसावट हो इसके लिए प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी कई दिनों से पदाधिकारियों की स्क्रीनिंग में जुटे रहे हैं। प्रदेश में होने जा रहे दो उपचुनावों से ठीक पहले कांग्रेस की नई कार्यकारिणी के माध्यम से जीतू पटवारी संगठन और कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा भरने की कोशिश करते दिख रहे हैं। बताया जा रहा है कि नई कार्यसमिति में ज्यादातर पदाधिकारी अंडर 40 ऐज ग्रुप से होंगे। यानी नई कार्यकारिणी में नई ऊर्जा से भरे, सक्रिय कार्यकर्ताओं को ज्यादा मौके देने का दावा किया जा रहा है।

विरोध रोकने के भी इंतजाम

नए पदाधिकारियों की घोषणा के बाद उनकी कितनी स्वीकार्यता होगी या विरोध यह तो सूची के बाद ही सामने आएगा।

पदाधिकारियों की घोषणा के बाद उनकी कितनी स्वीकार्यता होगी या विरोध यह तो सूची के बाद ही सामने आएगा। लेकिन कार्यकारिणी सदस्यों की घोषणा के पिछले कड़वे अनुभवों को देखते हुए पटवारी की कोर टीम सभी गुटों के शीर्ष नेताओं से संपर्क साधे हुए है। ऐसा इसलिए किया जा रहा है ताकि किसी भी तरह के विरोध को तत्काल थामा सके, जिससे मैदानी स्तर पर कार्यकर्ताओं में पार्टी में बिखराव का संदेश न जाए।

नई कार्यकारिणी में पार्टी के सभी खेमों को साधने के लिए पटवारी लगातार वरिष्ठ नेताओं के संपर्क में बने रहे हैं। सभी गुटों से सक्रिय नेताओं, कार्यकर्ताओं के नाम स्क्रूटनी और सामंजस्य बनाते हुए आलाकमान को भेजे गए थे। जहां कई दिनों से मंथन चल रहा था। बीते दिन ही आलाकमान ने जीतू पटवारी की नई टीम को हरी झंडी दे दी है।

90 दिन का टेस्ट पीरियड

पीसीसी चीफ की नई टीम में शामिल पदाधिकारी लगातार एक्टिव रहेंगे। इसको ध्यान में रखते हुए सभी पदाधिकारियों की कार्यशैली और सक्रियता का लेखा-जोखा तैयार होगा। यानी पदाधिकारी क्या कर रहे हैं, संगठन को कितना समय दे रहे हैं और कार्यकर्ताओं के बीच उनकी सक्रियता कैसी है इसका फीडबैक जुटाया जाएगा। संगठन के पदाधिकारी कितने एक्टिव हैं और उनकी वर्किंग कैसी है इसका मूल्यांकन 90 दिन में होगा। इसके परिणाम के आधार पर उनके आगे का दायित्व तय किया जाएगा।

दो उपचुनावों की कसौटी

नई कार्यकारिणी के सामने पहली बड़ी चुनौती प्रदेश में होने वाले दो विधानसभा उपचुनाव होंगे। श्योपुर जिले की विजयपुर और सीहोर जिले की बुधनी सीट पर कांग्रेस के चुनावी कैंपेन में इन पदाधिकारियों की सक्रिता की पहली परीक्षा होगी। पीसीसी चीफ लगातार दोनों सीटों पर सक्रिय हैं और लगातार दौरे कर रहे हैं। वैसे तो दोनों सीटों पर कांग्रेस दर्ज करना चाहती है लेकिन पटवारी ने विजयपुर सीट पर जीत को अपना लक्ष्य बनाया है। बताया जा रहा है पटवारी यहां से भाजपा प्रत्याशी रामनिवास रावत को पराजित देखना चाहते हैं क्योंकि उन्होंने कांग्रेस छोड़कर उन्हें भी धोखा दिया है।

युवा वर्ग, SC-ST - OBC को 80 फीसदी मौका

PCC चीफ जीतू पटवारी के अनुसार कार्यसमिति में युवाओं को विशेष तब्बजो दी गई है। यानी 50 साल से कम आयु के 80 फीसदी कार्यकर्ताओं को कार्यकारिणी में जगह मिली है। वहीं पदाधिकारियों में स्ष्ट, स्ब्र और OBC वर्ग को भी प्राथमिकता दी गई है। इस बार प्रदेश कार्यकारिणी में महिला कार्यकर्ताओं का विशेष ध्यान रखा गया है। यानी कार्यकारिणी में महिला वर्ग को 25 फीसदी पद दिए गए हैं। कार्यसमिति में प्रदेश के सभी जिलों को प्रतिनिधित्व मिले इसके लिए हर जिले से दो पदाधिकारी बनाए गए हैं।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वत्वाधारी एवं प्रधान संपादक सुनील वर्मा के लिए डीबी कार्प प्रॉ.लि. प्रेस, 44-46/ए, सेक्टर - एफ , इंडस्ट्रीयल एरिया, सांवेर रोड,
इन्दौर से मुद्रित तथा 1/4, परदेशीपुरा, इन्दौर (म.प्र.) सभी विवादों का न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा। * मो.: 9425491979, E-mail: janbhavana.ind@gmail.com